प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 13, 13 जुलाई से 19 जुलाई 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

रवि किशन की बेटी रीवा इन शर्तों पर कर सकती हैं भोजपुरी फिल्में 3

सावन में दाढ़ी क्यों नहीं बनानी चाहिए, क्या इसका कोई साइंटिफिक पक्ष भी है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो गया है। ये 9 अगस्त तक चलेगा। सावन का महीना भारतीय संस्कृति में भगवान शिव का पवित्र महीना माना जाता है। ये समय बरसात का भी होता है, लिहाजा कृषि और समृद्धि का भी सीधा रिश्ता इससे है। धार्मिक तौर पर लोग इस महीने में कई बातों का निषेध करते हैं, जिसमें एक ये भी है कि वो दाढ़ी नहीं बनाते. क्या साइंस भी इसे सही ठहराती है। बेशक हम मानते हों कि सावन के महीने में खान-पान से लेकर रोजाना के जीवन से संबंधित कुछ स्वैच्छिक पाबंदियां हिंदू धर्म की पुरानी मान्यताओं और धार्मिकता से जुड़ हों़गी। बहुत से लोग इस पूरे 30 दिन दाढ़ी नहीं बनाते। इसे बढ़ने देते है। क्या इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक या व्यावहारिक कारण भी हो सकते है। हां इसके कुछ वैज्ञानिक पहलू तो है। साइंस भी इसे जस्टिफाई करता है।

आयुर्वेदिक क्या कहता है

आयुर्वेद के अनुसार, सावन (वर्षा ऋतु) में शरीर की पाचन अग्नि (मेटाबॉलिज्म) कमजोर होती है और शरीर संवेदनशील रहता है। इस दौरान अनावश्यक शारीरिक परिवर्तन जैसे बाल कटवाना से बचने की सलाह दी जाती है।

और मनोवैज्ञानिक कारण भी

सावन को शिवजी की भक्ति और तपस्या का महीना माना जाता है। दाढ़ी न काटने से व्यक्ति का ध्यान बाहरी सजावट की बजाय आध्यात्मिक चिंतन में लग सकता है। दाढ़ी या बाल न कटवाना तप और संयम का प्रतीक माना जाता है। यह एक तरह से आत्म-नियंत्रण और सादगी का पालन करने का तरीका है। कई समुदायों में यह मान्यता है कि सावन में दाढ़ी या बाल काटने से नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित हो सकती है या यह भगवान शिव के प्रति अनादर माना जा सकता है।

इससे स्वास्थ्य और त्वचा की सुरक्षा होती है

सावन में बारिश के कारण नमी और फंगस का खतरा बढ़ जाता है। दाढ़ी बनाने से त्वचा पर छोटे कट या घाव हो सकते हैं, जिससे संक्रमण (जैसे रिंगवर्म, फोड़े) का जोखिम बढ़ सकता है। गीली हवा के कारण रेजर से शेविंग करने पर त्वचा में जलन या रैशेज होने की आशंका रहती है। शायद इसी वजह से प्राचीन काल में लोग इस मौसम में शेविंग से बचते थे, ताकि त्वचा संबंधी समस्याओं से बचा जा सके। पुराने समय में जब आधुनिक सैनिटाइजेशन और शेविंग उपकरण उपलब्ध नहीं थे, बारिश के मौसम में शेविंग से इंफेक्शन का खतरा हो सकता था।

साइंस की ही बात करें तो सावन में और क्या नहीं करना चाहिए

खुले पानी में नहाने से बचें

इसकी वैज्ञानिक वजह ये है कि बारिश के पानी में लेप्टोस्पायरोसिस, हैजा, या स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए नदियों, तालाबों या जलभराव वाली जगहों पर नहीं नहाएं. साफ गर्म पानी से नहाएं और पैरों को सूखा रखें।

भारी या बासी भोजन न खाएं

उसकी वैज्ञानिक वजह ये है कि मानसून में नमी के कारण पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और पाचक एंजाइमों की गतिविधि धीमी होती है। तला-भुना, अधिक मसालेदार या बासी खाना भी बैक्टीरिया और फंगस के खतरे के कारण नहीं खाना चाहिए। कच्चे सलाद या बाजार की कटी हुई सब्जियों को संक्रमण के ज्यादा जोखिम की वजह से अनदेखा करना चाहिए।

गीले या नम कपड़े न पहनें

इसकी वैज्ञानिक वजह ये है कि नमी के कारण फंगल इंफेक्शन (दाद, खुजली) हो सकता है। लिहाजा गीले कपड़ों या जूतों को लंबे समय तक पहनकर नहीं रखें।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन

हिमाचल में 249 सड़कें बंद यूपी-मप्र में जनजीवन बेहाल

नई दिल्ली/ शिमला

देश के कई राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के पंडोह डैम के पास कैंची मोड़ पर लैंडस्लाइड हुआ। चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे दोनों ओर से बंद हो गया। यहां सैकड़ों वाहन फंसे हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण 249 सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हैं, जिनमें से 207 मंडी जिले में हैं। यह सड़कें भूस्खलन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है। भारी बारिश के कारण मंडी से धर्मपुर (कोटली होकर) के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-तीन (अटारी-लेह) भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। मंडी के पंडोह बांध के पास कैची मोड़ पर शुक्रवार देर रात भूस्खलन होने से चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग के मंडी-कुल्लू खंड को करीब 10 घंटे तक बंद रखना पड़ा। इसके बाद वाहनों को कटौला-कामांद वैकल्पिक मार्ग से भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी से मलबा और पत्थर सड़क पर गिरने के कारण यातायात रोकना पड़ा जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

राजस्थान में युवक की मौत

राजस्थान में बीकानेर, झुंझुनूं सहित 13 जिलों में 4 इंच तक बरसात हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। श्रीमाधोपुर में दुकानों में पानी घुस गया। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा।

मप्र की राजधानी में जलभराव

भोपाल में बारिश का दौर चल रहा है। कुछ इलाकों में तेज बारिश भी हुई। इससे सड़क पर पानी भर गया। संगम टॉकीज तिराहे पर शनिवार सुबह जलभराव देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह तक शहर में 8 मिमी बारिश दर्ज की गई। उमरिया में संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। एक गेट एक मीटर और दूसरा आधा मीटर तक खोला गया है।

यूपी में सड़कों पर पानी

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में तेज बारिश जारी है। यहां मंदाकनी नदी उफान पर है। तेज बारिश के कारण सड़कों पर 3 से 5 फीट तक पानी भर गया है। यहां रामघाट पर बने पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। घर, स्कूल, मंदिर, होटल, घाट, दुकानें, पुल सब पानी में डूबे हुए हैं। कानपुर में तेज बारिश से रेलवे ट्रैस धंस गया। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में अलग-अलग घटनाओं में शनिवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रहीं दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गईं।

दिल्ली में बड़ा हादसा

चार मंजिला इमारत गिरने से छह की मौत, आठ घायल

नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढहने से छह लोगों की मौत हो गई और एक वर्षीय बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि इमारत के मालिक और उनकी पत्नी को मलबे से बाहर निकाला गया लेकिन उनकी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि आठ लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें वेलकम पुलिस थाने में शनिवार सुबह लगभग सात बजकर चार मिनट पर ईदगाह, वेलकम के निकट चार मंजिला इमारत के ढहने की सूचना मिली।

- तेज आवाज आई और चारों तरफ धूल

परिवार के साथ रहते थे मतलूब

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पूर्वी) संदीप लांबा ने कहा, इमारत के मालिक मतलूब अपने परिवार के साथ इसी इमारत में रहते थे, भूतल और पहली मंजिल खाली हैं। सामने वाली इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। इस घटना में मतलूब (50) और उनकी पत्नी राबिया (46) की मौत हो गई। उनके बेटे परवेज (32) और नावेद (19), परवेज की पत्नी सिजा (21) और एक साल का बेटा अहमद घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि वहीं, गोविंद (60) और उनके भाई रवि कश्यप (27) और उनकी पत्नियां क्रमशः दीपा (56) तथा ज्योति (27) दुर्घटना में घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये परिवार उस इमारत के सामने वाले मकान में रहता है।

51,000 युवाओं को प्रधानमंत्री मोदी ने बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली

देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'। युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा

बोले- बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

एअर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

टेकऑफ के तुरंत बाद दोनों इंजन हो गए बंद, इसलिए गई 241 की जान

नई दिल्ली

एअर इंडिया की उड़ान एआई-171 हादसे की पंद्रह पन्नों वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 'कॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग' में सुना गया कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। लंदन जाने वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान ने 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद ही गति खोनी शुरू कर दी। वह एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

इस दुर्घटना में विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर बाकी सभी की मौत हो गई थी। इस विमान दुर्घटना में यात्री और चालक दल के सदस्यों के अलावा 19 और लोग मारे गए थे। यह एक दशक में सबसे घातक विमान दुर्घटना थी। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट में दिए गए घटनाक्रम के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है)।

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया के विमान हादसे को लेकर भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसमें पता चला है कि टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान के दोनों इंजन अचानक अपने-आप बंद हो गए थे, जिससे विमान गिरने की नौबत आ गई।

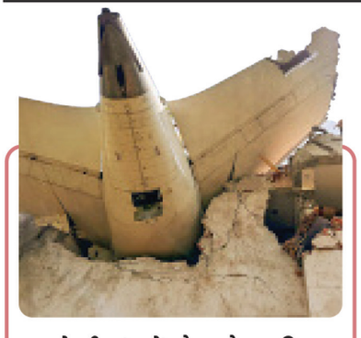

हादसे की जांच में कौन-कौन शामिल?

भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने जांच शुरू की। कई देशों के एक्सपर्ट भी मदद कर रहे हैं – जैसे अमेरिका (एनटीएसबी), ब्रिटेन (एएआईबी-यूके), पुर्तगाल और कनाडा।

रिपोर्ट में क्या?

- टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान के दोनों इंजन अचानक अपने-आप बंद हो गए थे।
- इंजन 'एन1' और 'एन2' की ईंधन आपूर्ति बंद होने के कारण उनकी क्षमता में गिरावट आनी शुरू हो गई।
- एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन 'स्विच ऑफ' क्यों किया, तो उसने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।
- 'रैम एयर टर्बाइन' नामक 'बैकअप' ऊर्जा स्रोत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है।

यह स्पष्ट नहीं हो पाया : रिपोर्ट ने कॉकपिट में दोनों पायलटों के बीच हुई बातचीत का केवल सीमित विवरण प्रदान किया। यह स्पष्ट नहीं किया कि उड़ान के दौरान स्विच 'कटऑफ' स्थिति में कैसे आ गए। 'कटऑफ' की स्थिति में ईंधन की आपूर्ति बंद हो जाती है।

ईंधन के नमूने संतोषजनक : ईंधन के नमूनों का परीक्षण नागर विमानन महानिदेशालय की प्रयोगशाला में किया गया। वे संतोषजनक पाए गए। दुर्घटनास्थल पर सभी जरूरी औपचारिकताएं, जिनमें ड्रोन फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी शामिल थीं, पूरी कर ली गई हैं।

केंद्रीय मंत्री बोले- यह प्रारंभिक रिपोर्ट निष्कर्ष न निकालें

केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता क्योंकि पायलटों के बीच बातचीत बहुत संक्षिप्त थी। नागर विमानन राज्य मंत्री 12 जून को हुए विमान हादसे की जांच के बारे में यहां पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। लंदन के लिए रवाना हुआ बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में सवार 242 लोगों में से एक यात्री को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी।

सम्पादकीय

नया कानून क्यों?

महाराष्ट्र विधानसभा में स्पेशल पब्लिक सिक्यॉरिटी बिल ध्वनिमत से पास हुआ। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में कानून-व्यवस्था की मजबूती के लिए इसे जरूरी बताया है। लेकिन इस बिल से जुड़े कुछ सवाल हैं, जिनके जवाब मिलने चाहिए। विपक्ष ने भी जो आशंकाएं जाहिर की हैं, उन्हें यह कहकर खारिज नहीं किया जा सकता कि विपक्ष तो विरोध करेगा ही। सीएम फडणवीस ने कहा है कि यह बिल अर्बन नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को लाया गया है। नक्सलवाद की समस्या से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन महाराष्ट्र सरकार जिस अर्बन नक्सल की बात कह रही है, उसकी कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं बताई जा रही। यह शब्द पिछले दशक से चलन में आया है। लेकिन, इसकी स्पष्ट व्याख्या की जरूरत है, ताकि इस शब्द की आड़ में वैचारिक विरोध और असहमति की आवाज को न दबाया जा सके। विपक्ष को भी मुख्य एतराज इसी बात पर है कि बिल में लेफ्ट विंग उग्रवादी विचारधारा की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। हालांकि सीएम भरोसा दे रहे हैं कि नए कानून का उपयोग राजनीतिक प्रदर्शनकारियों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने यही बात लेफ्ट पार्टियों के लिए भी कही, लेकिन इतना काफी नहीं है। किसी भी कानून में सबसे अहम है प्रावधानों की स्पष्टता, ताकि उसे लागू करने में किसी तरह की परेशानी न आए। हालांकि महाराष्ट्र इस तरह के कानून लाने वाला कोई पहला राज्य नहीं है। इससे पहले चार अन्य राज्यों में ऐसा कानून लाया जा चुका है। लेकिन इससे यह सवाल समाप्त नहीं हो जाता कि आखिर ऐसा कानून लाने की क्या जरूरत आन पड़ी है। देश में नक्सलवाद की समस्या, सरकार के ही दावों के मुताबिक, अब अपनी आखिरी सांसें गिन रही है। देश में नक्सल प्रभावित जिलों की जो संख्या एक समय 180 तक चली गई थी, वह अब 18 रह गई है। इनमें भी ज्यादा प्रभावित जिले 6 बताए जाते हैं। फडणवीस के ही मुताबिक महाराष्ट्र में केवल दो तालुकाओं में नक्सली गतिविधियां बची हैं। तो जो समस्या यों भी खत्म होने पर है, उसके लिए इतने कड़े इस नए कानून की जरूरत क्यों समझी जा रही है? महाराष्ट्र में मकोका और UAPA जैसे सख्त कानून पहले से हैं। ऐसे में अर्बन नक्सल जैसी अस्पष्ट सोच के साथ जोड़कर इतना कड़ा कानून लाए जाने से यह आशंका मजबूत होती है कि कहीं इसका दुरुपयोग आम लोगों के असंतोष को दबाने में न किया जाने लगे। बेहतर होगा सरकार कानून लागू करने से पहले इससे जुड़ी आशंकाओं को दूर करने पर ध्यान दे।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

गुरु जीवनरूपी अंधेरों को मिटाकर उजाला करते हैं

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है-ईश्वर से भी ऊंचा। गुरु न केवल ज्ञानदाता हैं, वे जीवन के वास्तुकार, जीवन-निर्माता एवं संस्कारदाता हैं। वे शिष्य को केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि आत्मा के स्वरूप से उसका परिचय कराते हुए उसका जीवन-निर्माण करते हैं। वे न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, बल्कि जीवन की दुविधाओं, असमंजसों और भ्रमों को दूर कर उसे सार्थक दिशा देते हैं। ऐसे ही गुरु-तत्व के पूजन का पर्व है-गुरु पूर्णिमा, जो हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को श्रद्धा और समर्पण से मनाया जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। वेदव्यास ने चारों वेदों का संकलन किया, पुराणों की रचना की और महाभारत जैसा अद्वितीय महाकाव्य रचा। वे न केवल ज्ञान के स्रोत थे, बल्कि आत्मबोध के महामार्गदर्शक भी थे। गुरु पूर्णिमा सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पव हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है-ईश्वर से भी ऊंचा। गुरु न केवल ज्ञानदाता हैं, वे जीवन के वास्तुकार, जीवन-निर्माता एवं संस्कारदाता हैं। वे शिष्य को केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि आत्मा के स्वरूप से उसका परिचय कराते हुए उसका जीवन-निर्माण करते हैं। वे न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, बल्कि जीवन की दुविधाओं, असमंजसों और भ्रमों को दूर कर उसे सार्थक दिशा देते हैं। ऐसे ही गुरु-तत्व के पूजन का पर्व है-गुरु पूर्णिमा, जो हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को श्रद्धा और समर्पण से मनाया जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। वेदव्यास ने चारों वेदों का संकलन किया, पुराणों की रचना की और महाभारत जैसा अद्वितीय महाकाव्य रचा। वे न केवल ज्ञान के स्रोत थे, बल्कि आत्मबोध के महामार्गदर्शक भी थे। गुरु पूर्णिमा सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पव हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है।

गुरु एक नाम नहीं, एक स्थिति है। वे केवल शरीरधारी व्यक्ति नहीं, एक दिव्य ऊर्जा हैं, जो हमारे भीतर शक्ति, ज्ञान एवं संस्कार को जागृत करती है। कबीरदास ने कहा-गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय? यह केवल काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना की वह आधारशिला है, जिस पर जीवन की संपूर्ण संरचना टिकी है। गुरु वही है जो मैं को गलाकर तू में मिला दे, जो अहंकार को मिटाकर आत्मा को उभार दे। यह केवल पूजा का दिन नहीं, आत्म-प्रेरणा का दिवस है; गुरु के प्रति कृतज्ञता, मार्गदर्शन और जीवन को नया मोड़ देने वाले उस आधारस्तंभ को नमन करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से सनातन धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में अत्यंत पूज्यनीय है। भारत की मनीषा में गुरु केवल धार्मिक या शैक्षणिक संस्था के सदस्य नहीं हैं, बल्कि वे एक आध्यात्मिक बीज हैं, जो शिष्य के अंतर्मन में चेतना का वृक्ष बनकर प्रस्फुटित होते हैं। गुरु-शिष्य का संबंध केवल औपचारिक नहीं, आत्मिक होता है। शिष्य का अर्थ ही है-जो शीघ्र ग्रहण करे, जो समर्पित हो। और गुरु का अर्थ है-गु यानी अंधकार और रु यानी प्रकाश-जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। प्राचीन गुरुकुल परंपरा में यह संबंध अत्यंत पवित्र और जीवनपर्यंत टिकने वाला होता था। शिष्य केवल विद्या ही नहीं, गुरु के जीवन से भी सीखता था। चरित्र, संयम, श्रद्धा, विनम्रता और सेवा जैसे गुण गुरु के व्यक्तित्व से शिष्य के भीतर स्वतः उतरते थे। महावीर ने गौतम गणधर को, बुद्ध ने आनंद को, नानक ने अंगद को, श्रीकृष्ण ने संदीपनि को और फिर स्वयं अर्जुन को शिष्यत्व प्रदान किया। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र से जीवन की मयार्दा सीखी, वहीं श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्धभूमि में कर्मयोग का उपदेश देकर जगतगुरु का दर्जा पाया। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता-वह जीवन का दृष्टिकोण बदल देता है। आज भौतिकतावादी युग में गुरु के प्रति आस्था में गिरावट आई है। शिक्षा संस्थान सूचना का प्रसार कर रहे हैं, लेकिन जीवन मूल्यों का संचार नहीं कर पा रहे। विद्यार्थियों को डिग्रियां तो मिल रही हैं, पर दिशा नहीं। ज्ञान है, पर विवेक नहीं; विज्ञान है, पर आत्मा नहीं; बुद्धि है, पर करुणा नहीं। इसका मूल कारण है-जीवन में सच्चे गुरु का अभाव। आज ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं-पर गुरु नदारद हैं। ऐसे में गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि केवल पढ़ना-पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, जीवन जीने की कला सिखाने वाला गुरु चाहिए। गुरु जीवन की धार को नया मोड़ देते हैं। जैसे नदी जब किसी घाट से गुजरती है, तो उसका स्वरूप बदलता है, वैसे ही गुरु का सान्निध्य शिष्य के भीतर नई चेतना, नई दृष्टि और नया जीवन का संचार करता है। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके।

गुरु केवल उपदेश नहीं देता, वह जीता है। उसकी हर बात, हर चुप्पी, हर दृष्टि, हर मौन एक शिक्षा होती है। उसका जीवन एक ग्रंथ होता है, जिसकी हर बात शिष्य के जीवन में अमिट छाप छोड़ती है। शास्त्रों में कहा गया है-गुरु बिना गति नहीं, गुरु बिना ज्ञान नहीं, गुरु बिना मोक्ष नहीं। गुरु ही शिष्य के अंतर्मन में आत्मा की चिंगारी प्रज्वलित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती है-सच्चे गुरु की पहचान। आज ऐसे कई कथित गुरु हैं जो अपने अनुयायियों की संख्या, चमत्कारों और धन-संपत्ति के आधार पर महान कहलाते हैं। वे गुरु नहीं, व्यापारी हैं-जो मोक्ष, आत्मज्ञान, कुण्डलिनी जागरण, रोग निवारण और चमत्कारों के नाम पर लोगों की भावनाओं का दोहन कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे अज्ञानी, धन-लोलुप और पाखंडी लोगों ने गुरु परंपरा की छवि को धूमिल किया है। सही कहा गया है-पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के। सच्चा गुरु न विज्ञापन करता है, न दिखावा। वह न चमत्कार दिखाता है, न भीड़ जुटाता है। वह मौन से शिक्षा देता है, दृष्टि से दिशा देता है और आशीर्वाद से शांति देता है। उसका सान्निध्य ही साधना है, उसकी चरण-वंदना ही ऊर्जा है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि चातुर्मास काल में जब ईश्वर निद्रा में होते हैं तब गुरु ही हमें मार्ग दिखाते हैं। वे हमारे दुःखों का हरण करते हैं, मोह का निवारण करते हैं और जीवन को नई दृष्टि देते हैं। गुरु का सच्चा सम्मान केवल उनकी मूर्ति पर फूल चढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना है। उनके उपदेशों को आत्मसात करना, अपने जीवन में विनम्रता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुणों को विकसित करना ही सच्ची गुरु-पूजा है। तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में लिखा है-जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाईं। जिनके पास कोई गुरु न हो, वे हनुमानजी को गुरु बना सकते हैं-क्योंकि गुरुत्व एक चेतना है, एक भावना है, एक समर्पण है। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा?

गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है। अंततः, गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, आत्म-बोध और समर्पण का पर्व है। यही इसकी सार्थकता है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, अपने भीतर जगाएं। जब तक जीवन में सच्चा गुरु नहीं आता, तब तक आत्मा मौन रहती है। जैसे ही गुरु आता है, आत्मा गूंज उठती है। गुरु जीवन को नया घाट देते हैं, नयी झंकार देते हैं।

मोदी-योगी ने बदली पूर्वांचल की तस्वीर, स्थानीय लोगों को मिला रोजगार, महिलाओं को सम्मान

पूर्वांचल के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल पहुंचाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्षेत्र की दशा और दिशा बदल दी है। जल जीवन मिशन के प्रभाव का आकलन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन वाटरएड इंडिया और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि के जियोग्राफी डिपार्टमेंट ने पूर्वांचल के गोरखपुर मंडल के तीन जिलों गोरखपुर, कुशीनगर और महाराजगंज में विस्तृत अध्ययन किया। तीन महीने तक समूह चर्चा, साक्षात्कार और आंकड़ों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि इस योजना ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के क्षेत्रों में व्यापक सकारात्मक बदलाव किए हैं। पंचायती राज के प्रतिनिधि, स्थानीय निकाय और जिला से लेकर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के सहयोग से हर जिले के पांच-पांच गांवों का सर्वे कर परिवर्तन का गहनता से अध्ययन किया गया है।

वाटरएड इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वांचल के 93 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक अब नल से शुद्ध और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। पहले जहां लोग कुएं, हैंडपंप या अन्य स्रोतों पर निर्भर थे, वहीं अब अधिकांश परिवार पीने से लेकर खाना पकाने तक के लिए नल के पानी का उपयोग कर रहे हैं। इससे पुराने जल स्रोतों पर निर्भरता में भारी कमी आई है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में जल जनित और संक्रामक रोगों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार अब लोगों को पेट संबंधी बीमारियों, त्वचा रोगों और दस्त जैसी समस्याओं से राहत मिल रही है। इससे न केवल चिकित्सा खर्च कम हुआ है, बल्कि लोगों की कार्यक्षमता भी बढ़ी है।

जल जीवन मिशन के तहत स्कूलों में भी नल कनेक्शन पहुंचने से स्वच्छता स्तर में सुधार हुआ है। बच्चों को शुद्ध पानी मिल रहा है जिससे वे कम बीमार पड़ते हैं। इसका सीधा असर शैक्षिक उपस्थिति में वृद्धि और ड्रॉपआउट दर में कमी के रूप में सामने आया है। ग्रामीणों ने बताया कि अब बच्चे अधिक नियमित रूप से

स्कूल जा रहे हैं। पाइपलाइन बिछाने, पानी की टंकी का निर्माण और देखरेख जैसे कार्यों में स्थानीय लोगों को काम मिला है। इससे ग्रामीणों की आय में बढ़ोतरी हुई है और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। खासकर तकनीकी कार्यों के लिए प्रशिक्षित युवाओं को लाभ मिला है।

पहले जहां महिलाओं को मीलों दूर से पानी लाना पड़ता था, वहीं अब नल का जल घर तक पहुंचने से उनका श्रम और समय दोनों बच रहा है। महिलाएं अब अन्य रचनात्मक कार्यों में भागीदारी कर रही हैं। समाज में भेदभाव की स्थिति में भी कमी आई है, जिससे सामाजिक समरसता और पारिवारिक सौहार्द बढ़ा है। इस त्वरित अध्ययन में प्रत्येक जिले के पांच-पांच गांवों को शामिल किया गया। सर्वे में भाग लेने वाले अधिकतर ग्रामीणों ने माना कि हर घर जल योजना ने उनके जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। स्वच्छ जल की उपलब्धता ने उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन जीने का भरोसा दिया है।

जातक कथा

दैत्य का संदूक

हिमालय की तराई में कभी एक बौद्ध साधु रहता था, जिसके उपदेश सुनने एक दबंग दुष्ट (दैत्य) भी आता था। किन्तु दबंग दुष्ट अपनी दानवी(दमन करने की वृत्ति) प्रवृत्ति के कारण राहगीरों को लूटता था और उन्हें मारता था । एक बार उसने काशी के एक धनी सेठ की पुत्री और उसके अनुचरों की सवारी पर आक्रमण किया । दैत्य को देखते ही उस कन्या के सारे अनुचर अपने अस्त्र-शस्त्र छोड़ भाग खड़े हुए। सेठ की कन्या को देखकर दैत्य उस पर मुग्ध हो गया। उसने उसकी हत्या न कर उसके साथ ब्याह रचाया। इस डर से कि वह सुन्दर कन्या कहीं भाग न जाय वह उसे एक संदूक में बंद कर देता था। एक दिन वह दैत्य साधु से मिलने जा रहा था तभी उसकी नजर एक सुन्दर झील पर पड़ी। गर्मी बहुत थी । इसलिए वह झील के पास आया। उसने अपने साथ लिए हुए संदूक बाहर निकाला। फिर संदूक को खोलकर कन्या को बाहर निकाला और उसे जलाशय में अपने हाथों से स्नान कराया। उसके बाद वह स्वयं जलाशय में स्नान करने लगा। मुक्त हो कन्या जलाशय के किनारे विचरण करने लगी। तभी कन्या की नजर एक नव युवक पर पड़ी जो एक जादूगर भी था। उस अत्यंत सुन्दर युवक को देख कन्या ने उसे इशारों से अपने पास बुलाया। फिर प्रेम-क्रीड़ा करने के लिए उसने उसे संदूक में बैठने को कहा। युवक जब वहाँ बैठ गया तब वह उसे अपने लिबास से ढंक कर स्वयं उसके ऊपर जा बैठी । नहा कर दैत्य जब लौटा तो उसने संदूक को बंद कर लिया। दैत्य जब साधु के आश्रम में पहुँचा तो साधु ने उसका स्वागत करते हुए कहा, आप तीनों का स्वागत है। साधु की बात सुन दैत्य चौंक गया क्योंकि वह नहीं जानता था कि कन्या और उसके अतिरिक्त भी कोई तीसरा उनके साथ था। साधु की बात सुनते ही उसने संदूक को बाहर निकाला। ठीक उसी समय युवक संदूक से बाहर निकल रहा था। उस समय तक वह अपनी तलवार ध्यान से पूरी तरह खींच भी नहीं पाया था । अगर और कुछ क्षणों का विलम्ब होता तो वह निश्चित रुप से दैत्य का पेट फाड़ देता। दैत्य को देख युवक भाग खड़ा हुआ। साधु के वचन एवं ज्ञान को सुनने के कारण चूँकि दैत्य की जान बच गई थी इसलिए उसने साधु का धन्यवाद ज्ञापन किया। साधु ने तब उसे शीलवान बनने की शिक्षा दी और उस कन्या को भी मुक्त करने का परामर्श दिया । उस दिन के बाद से दैत्य शीलव्रती बन गया।

कहानी

दो हंस

मानसरोवर, आज जो चीन में स्थित है, कभी ठमानस-सरोवर के नाम से विश्वविख्यात था और उसमें रहने वाले हंस तो नीले आकाश में सफेद बादलों की छटा से भी अधिक मनोरम थे। उनके कलरव सुन्दर नर्तकियों की नुपुर ध्वनियों से भी अधिक सुमधुर थे। उन्हीं सफेद हंसों के बीच दो स्वर्ण हंस भी रहते थे। दोनों हंस बिल्कुल एक जैसे दिखते थे और दोनों का आकार भी अन्य हंसों की तुलना में थोड़ा बड़ा था। दोनों समान रुप से गुणवान और शीलवान भी थे। फर्क था तो बस इतना कि उनमें एक राजा था और दूसरा उसका वफादार सेनापति। राजा का नाम धृतराष्ट्र था और सेनापति का नाम सुमुख। दोनों हंसों की चर्चा देवों, नागों, यक्षों और विद्याधर ललनाओं के बीच अक्सर हुआ करती थी। कालान्तर में मनुष्य योनि के लोगों को भी उनके गुण-सौन्दर्य का ज्ञान होने लगा। वाराणसी नरेश ने जब उनके विषय में सुना तो उस के मन में उन हंसों को पाने की प्रबल इच्छा जागृत हुई। तत्काल उसने अपने राज्य में मानस-सदृश एक मनोरम-सरोवर का निर्माण करवाया, जिसमें हर प्रकार के आकर्षक जलीय पौधे और विभिन्न प्रकार के कमल जैसे पद्म, उत्पल, कुमुद, पुण्डरीक, सौगन्धिक, तमरस और कहलर विकसित करवाये। मत्स्य और जलीय पक्षियों की सुंदर प्रजातियाँ भी वहाँ बसायी गयीं। साथ ही राजा ने वहाँ बसने वाले सभी पक्षियों की पूर्ण सुरक्षा की भी घोषणा करवायी, जिससे दूर-दूर से आने वाले पंछी स्वच्छंद भाव से वहाँ विचरण करने लगे। एक बार, वर्षा काल के बाद जब हेमन्त ऋतु प्रारम्भ हुआ और आसमान का रंग बिल्कुल नीला होने लगा तब मानस के दो हंस वाराणसी के ऊपर से उड़ते हुए जा रहे थे। तभी उनकी दृष्टि राजा द्वारा निर्मित
सरोवर पर पड़ी। सरोवर की सुन्दरता और उसमें तैरते रमणीक पक्षियों की स्वच्छंदता उन्हें सहज ही आकर्षित कर गयी। तत्काल वे नीचे उतर आये और महीनों तक वहाँ की सुरक्षा, सुंदरता और स्वच्छंदता का आनंद लेते रहे। अन्ततोगत्वा वर्षा ऋतु के प्रारंभ होने से पूर्व वे फिर मानस को प्रस्थान कर गये। मानस पहुँच कर उन्होंने अपने साथियों के बीच वाराणसी के कृत्रिम सरोवर की इतनी प्रशंसा की कि सारे के सारे हंस वर्षा के बाद वाराणसी जाने को तत्पर हो उठे। हंसों के राजा युधिष्ठिर और उसके सेनापति सुमुख ने अन्य हंसों की इस योजना को समुचित नहीं माना। युधिष्ठिर ने उनके प्रस्ताव का अनुमोदन न करते हुए, यह कहा कि, पंछी और जानवरों की एक प्रवृत्ति होती है।
वे अपनी संवेदनाओं को अपनी चीखों से प्रकट करते हैं।
किन्तु जन्तु जो कहलाता है मानव बड़ी चतुराई से करता है
अपनी भंगिमाओं को प्रस्तुत जो होता है उनके भावों के ठीक विपरीत।
फिर भी कुछ दिनों के बाद हंस-राज को हंसों की जिद के आगे झुकना पड़ा और वह वर्षा ऋतु के बाद मानस के समस्त हंसों के साथ वाराणसी को प्रस्थान कर गया। जब मानस के हंसों का आगमन वाराणसी के सरोवर में हुआ और राजा को इसकी सूचना मिली तो उसने अपने एक निषाद को उन दो विशिष्ट हंसों को पकड़ने के लिए नियुक्त किया। एक दिन युधिष्ठिर जब सरोवर की तट पर स्वच्छंद भ्रमण कर रहा था तभी उसके पैर निषाद द्वारा बिछाये गये जाल पर पड़े। अपने पकड़े जाने की चिंता छोड़ उसने अपनी तीव्र चीखों से अपने साथी-हंसों को तत्काल वहाँ से प्रस्थान करने को कहा जिससे मानस के सारे हंस वहाँ से क्षण मात्र में अंतर्धान हो गये। रह गया तो केवल उसका एकमात्र वफादार हमशक्ल सेनापति-सुमुख। हंसराज ने अपने सेनापति को भी उड़ जाने की आज्ञा दी मगर वह दृढ़ता के साथ अपने राजा के पास ही जीना मरना उचित समझा। निषाद जब उन हंसों के करीब पहुँचा तो वह आश्चर्यचकित रह गया क्योंकि पकड़ा तो उसने एक ही हंस था फिर भी दूसरा उसके सामने निर्भीक खड़ा था। निषाद ने जब दूसरे हंस से इसका कारण पूछा तो वह और भी चकित हो गया, क्योंकि दूसरे हंस ने उसे यह बताया कि उसके जीवन से बढ़कर उसकी वफादारी और स्वामि-भक्ति है। एक पक्षी के मुख से ऐसी बात सुनकर निषाद का हृदय परिवर्तन हो गया। वह एक मानव था; किन्तु मानव-धर्म के लिए वफादार नहीं था। उसने हिंसा का मार्ग अपनाया था और प्राणातिपात से अपना जीवन निर्वाह करता था। शीघ्र ही उस निषाद ने अपनी जागृत मानवता के प्रभाव में आकर दोनों ही हंसों को मुक्त कर दिया। दोनों हंस कोई साधारण हंस तो थे नहीं। उन्होंने अपनी दूरदृष्टि से यह जान लिया था कि वह निषाद निस्सन्देह राजा के कोप का भागी बनेगा। अगर निषाद ने उनकी जान बख्शी थी तो उन्हें भी निषाद की जान बचानी थी। अतः तत्काल वे निषाद के कंधे पर सवार हो गये और उसे राजा के पास चलने को कहा। निषाद के कंधों पर सवार जब वे दोनों हंस राज-दरबार पहुँचे तो समस्त दरबारीगण चकित हो गये। जिन हंसों को पकड़ने के लिए राजा ने इतना प्रयत्न किया था वे स्वयं ही उसके पास आ गये थे। विस्मित राजा ने जब उनकी कहानी सुनी तो उसने तत्काल ही निषाद को राज-दण्ड से मुक्त कर पुरस्कृत किया। उसने फिर उन ज्ञानी हंसों को आतिथ्य प्रदान किया तथा उनकी देशनाओं को राजदरबार में सादर सुनता रहा। इस प्रकार कुछ दिनों तक राजा का आतिथ्य स्वीकार कर दोनों ही हंस पुनः मानस को वापिस लौट गये।

सतर्कता एक मौसम है

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

बरसात के मौसम में ग्रीन अलर्ट तो जारी होते ही नहीं, पीले व संतरी भी कम होते हैं। ज्यादा सतर्कता बरतते हुए रेड अलर्ट ज्यादा जारी होते हैं । वह बात दीगर है, अलर्ट के बावजूद बारिश नहीं होती और शाम का सूरज धूप की गोद में छिपता है।

पानी कम उपलब्ध हो तो लड़वाता है। बर्तन टकराते हैं, राजनीति होने लगती है। पानी जब बाढ़ हो जाता है तो मुसीबत बन जाता है। बर्तन बहा ले जाता है, नए लोग राजनीति में प्रवेश करते हैं। सोए हुए लोग राजनीति करने लगते हैं। हर कहीं सतर्कता बढ़ जाती है। आनन फानन में बैठकें होती हैं। बैठक की अध्यक्षता किसी और को करनी चाहिए, किसी और को अध्यक्ष बनना पड़ता है। इसी चक्कर में टीवी और अखबार कवरेज ढंग से नहीं हो पाती है।

बरसात के मौसम में ग्रीन अलर्ट तो जारी होते ही नहीं, पीले व संतरी भी कम होते हैं। ज्यादा सतर्कता बरतते हुए रेड अलर्ट ज्यादा जारी होते हैं। वह बात दीगर है, अलर्ट के बावजूद बारिश नहीं होती और शाम का सूरज धूप की गोद में छिपता है। आम लोगों को समझ नहीं आता कि सतर्क रहें या रोजी रोटी का इंतजाम करें। ज्यादा सतर्क तो सरकार को ही रहना होता है। वही सतर्क रहने की चेतावनी जारी करती है। जिन क्षेत्रों में जलभराव, नदी नालों में उफान होना होता है चेताया जाता है कि अपना सब कुछ भूलकर या छोड़कर, सिर्फ जान बचाने के लिए पूरी तरह सतर्क रहें।

पहाड़ खुद तो किसी को सतर्क कर नहीं सकते इसलिए जहां भूस्खलन और भूधसाव का अंदेशा जताया जाता है वहां आनेजाने वाले यात्रियों को सावधान करते हुए सतर्क किया जाता है। जहां सडकों और गलियों की बरसाती मरम्मत का काम चल रहा होता है वहां भी सतर्क रहने को कहा जाता है। हर कहीं कूड़ा कचरा फेंकने वालों को भी सतर्क रहने को कहा जाता है। कूड़ा फेंकने वाले, सतर्क रहते हुए बारिश में ही फेंकते रहते हैं ताकि कूड़ा कचरा स्वत बह जाए। परेशान मौसम विज्ञान केंद्र भी बेहद सतर्क होते हुए विशेष एहतियात और सतर्कता बरतने को कहता है। विद्युत विभाग वाले भी अग्रिम सतर्क हो जाते हैं ताकि बिजली चले जाने का दोष अकारण बारिश को दे दिया जाए। सोशल मिडिया के उस्तादों द्वारा बहाई बाढ़ की झूठी खबरों और वीडियो से भी सतर्क रहने को कहा जाता है।

सतर्कता का अर्थ यह लिया जा सकता है कि सभी बारिश सम्बंधित विभाग अपने अपने सुतर्कों के साथ मुस्तैद रहें। जरूरत पड़ते ही यानी कहीं भी दुर्घटना किस्म का कुछ भी हो जाए तो बढ़िया, प्रसिद्ध और स्थापित तर्कों के साथ उचित जवाब देकर, प्रेस नोट जारी कर, अपना बचाव सुनिश्चित कर लें। स्पष्ट कह दिया जाए कि जो बंदा मर गया, धंस गया, गिर गया या बह गया वह उसकी अपनी गलती थी । कुदरत द्वारा बर्बाद किए गए मौसम में,

मानसिक और शारीरिक रूप से सतर्क रहना उसकी निजी जिम्मेदारी थी।

विभागों की जिम्मेदारी, खुद को सतर्क रखते हुए दूसरों को सतर्क रहने के लिए कहना मात्र है। सब जानते, मानते और समझते हैं कि बारिश और बाढ़ कुदरती आपदा है। इस सन्दर्भ में बेचारा इंसान ज्यादा कुछ कर नहीं सकता। अब मंत्री, ठेकेदार और अफसर सब तो बन नहीं सकते। जन्म लेने के लिए उचित समय, भाग्य, नक्षत्र, जुगाड़, मेहनत और माहौल का मिलाजुला योगदान होता है।

सतर्कता का सन्देश देने वालों का सुरक्षित रहना भी जरूरी है अगर उन्हें कुछ हो गया, बाढ़ ने बुला लिया तो कौन उन्हें सतर्क करेगा। जिस तरह सतर्क रहना आसान नहीं है उसी तरह सतर्क करना भी बड़ी भारी जिम्मेदारी का काम है। जिम्मेदारी से काम करना आसान काम नहीं है।

हाथ में जूते-चप्पल लेकर सड़क से गुजर रहे देश का भविष्य

करहल के नगला भूपाल में कच्ची सड़क पर होता है जलभराव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। करहल तहसील क्षेत्र के गांव नगला भूपाल में विकास की किरण देखने को नहीं मिल रहीं है। इस गांव के लि जाने के लि जो कच्ची सड़क है उस पर भी बारिश के बाद दलदल भरा हुआ है। स्कूल जाने के लि हमारे देश का भविष्य कहे जाने वाले बच्चे हाथ में जूते चप्पल लेकर सड़क पार कर रहे है। देश के भविष्य के हाथ में जूते चप्पल होना यहां के जनप्रतिनिधि सहित सरकारी सिस्टम के मुंह पर क तमाचा है। क्यो कि कई शिकायत के बाद भी कोई जनप्रतिनिधि मार्ग पर जलभराव की समस्या से निजात नहीं दिला पाया है।

ज्ञात हो कि करहल तहसील क्षेत्र के गांव नगला भूपाल जाने के लि जो सड़क है वह अभी तक कच्ची है। कच्ची सड़क होने के बाद बारिश होने के बाद इस मार्ग पर बारिश का पानी भरने के बाद दलदल की स्थिती उत्पन्न हो जाती है। दलदल भी ऐसा जिसको पार करने के लिए घंटो का समय चाहिए, हमारे देश के भविष्य जो रोज सुबह स्कूल जाते है उन्हें भी इस दलदल को पार करने के लिए जूते चप्पल हाथ में पकड़ने पड़ते है। तब कहीं जाकर सड़क का दलदल पार हो पाता है। अगर देश के भविष्यों को जूते चप्पल हाथ में पकड़नी पड़ रहीं है। तो यहां के जनप्रतिनिधि और सरकारी मशीनरी की कहीं न कहीं कोई कमी रहीं होगी, जिसकी बजह से इस गांव में विकास देखने को नहीं मिला है।

देश के भविष्य के हाथ में जूते होना एक करारा तमाचा

अगर बात की जाएं तो स्कूल में पढ़ने बाले हमारे देश का भविष्य कहे जाने वाले स्कूली बच्चों के हाथ में जूते चप्पल होना यहां के जनप्रतिनिधियों सहित सरकारी सिस्टम के मुंह पर करारा तमाचा है। क्यों कि अगर जनप्रतिनिधि चाहते तो इस गांव के कच्चे रास्ते का कुछ हो सकता था, इसके अलावा अगर सरकारी सिस्टम भी इस गांव के रास्ते को पक्का कराने की पहल करता तो गांव के लोगो का भला हो सकता था।

बारिश के बाद मार्ग पर आवागमन वाधित

करहल के नगला भूपाल को जाने वाले मार्ग पर बारिश के बाद ग्रामीणों का आवागमन वाधित हो जाता है। अगर किसी को सड़क पार करनी है तो दलदल या पानी में घुसकर ही करनी पड़ेगी, स्कूल जाने वाले बच्चों को तो शिक्षा ग्रहण करने के लि रोज ही स्कूल जाना पड़ता तो उन्हें बारिश के पानी और दलदल से गुजरना पड़ता ही है।

दर्जनों शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की नहीं खुली नींद

बिजली बिल वसूली अभियान के लिए लगाया मेगा शिविर

अगले तीन दिन तक चलेगा मेगा कैंप, सभी अधिकारियों को दी जिम्मेदारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बकाएदारों से वसूली के लिए अब बिजली अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी को अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर बकाएदारों से संपर्क साधना होगा। उन्हें भुगतान के लिए प्रेरित करना होगा। शनिवार को अधीक्षण अभियंता रवि प्रताप ने सिवल लाईन ग्रामीण विद्युत सब स्टेशन के नगला गुरबख्श से इस कार्य का आरंभ किया। लोगों से मिलकर उन्हें भुगतान के लिए प्रेरित किया। दो बकाएदारों ने मौके पर ही धनराशि जमा की। तीन दिन तक चलने वाले मेगा कैंप के बारे में भी जानकारी दी।

ज्ञात हो कि जनपद के तीन वितरण खंड में बकाएदारों पर 340 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की धनराशि बकाया है। बिजली का उपभोग करने के बावजूद उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान में कोई रुचि नहीं ली जा रही है। अब दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा डोर-टू-डोर अभियान संचालन के आदेश अधीनस्थों को दिए गए हैं। शनिवार को अधीक्षण अभियंता रवि प्रताप, अधिशासी अभियंता परीक्षण खंड बृजेश कुमार के साथ सिविल लाइन उपकेंद्र के नगला गुरबख्श पहुंचे।

लोगो को बकाया बिल जमा करने को प्रेरित किया

लोगों से संपर्क करने के बाद बकाएदारों को बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें बताया कि 31 जुलाई का संपूर्ण भुगतान करने पर सरचार्ज से छूट मिलेगी। 10 घर में संपर्क करने के बाद दो उपभोक्ताओं ने 22 हजार रुपये मौके पर ही जमा कराए। 17, 18 और 19 जुलाई को तीनों वितरण खंड पर आयोजित होने वाले मेगा कैंप की भी जानकारी दी।

मेगा कैंप के बारे में दी गई जानकारी

उपखंड अधिकारी एंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि यदि निर्धारित समय तक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा तो एक अगस्त से कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई आरंभ कर दी जाएगी।

छोटी खबरें

तहसील मे रखे खोखे से चोरो ने उडाया सामान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। तहसील परिसर मे रखे खोखे से चोर लैपटांप आदि सामान चोरी कर ले गये। घटना की तहरीर पुलिस को दी गई है। थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के गोला बाजार निवासी सत्यभान कश्यप पुत्र प्यारेलाल जो कि मैनपुरी रोड पर स्थित तहसील भोगांव परिसर मे खोखा रखकर उसमे टायपिंग एंव अन्य दस्तावेज बनाने का कार्य करता है बीती रात्रि मे अज्ञात चोरो ने खोखे में रखी लैपटांप एंव प्रिन्टर व अन्य सामान चोरी कर ले गये। प्रातः जब वह तहसील आया तो उसे घटना की जानकारी हुई।

सीढी से गिरकर महिला घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। बीती रात्रि मे एक महिला अचानक सीढी से गिर गई जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गई जिसे हालत गम्भीर होने पर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है। थाना क्षेत्र के ग्राम बडी हविलिया निवासी सतीश की 22 बर्षीय पत्नी प्रेमलता शुक्रवार की रात्रि मे छत से सीढी से नीचे उतर रही थी तभी अचानक गिर गई जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गई।

थाना समाधान दिवस में आये चार शिकायती प्रार्थना पत्र

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना परिसर मे आयोजित थाना समाधान दिवस पर मात्र चार शिकायती प्रार्थना पत्र आये जिनके निस्तारण के लिये अधीनस्थो को निर्देश दिये गये। शनिवार को थाना परिसर मे आयोजित थाना समाधान दिवस पर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पाण्डेय ने बताया कि समाधान दिवस पर चार प्रार्थना पत्र आये जो कि राजस्व सम्बन्धी थे प्रार्थना पत्रो के निस्तारण के लिये टीमे गठित कर निस्तारण के निर्देश दिये गये है।

नाली सफाई के विवाद में गाली गलौज, मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के गांव भैंसापुर निवासी मिनिस्टर खां पुत्र नजीर खां ने थाने में शिकायत की है। बताया उनके गांव के रिश्तेदार बंशीधर ठाकुर निवासी मिश्राबाद थाना एरवा कटरा जिला औरैया ने उनके द्वारा नाली सफाई करने पर गालियां देकर लाठी डंडा लेकर मारपीट को दौड़ पड़े व जान से मारने की धमकी दी। उपरोक्त नामजद लोगों के घर की महिलाएं जो झूठे आरोप में फंसाने की धमकी देती है। दूसरे पक्ष के वीरपाल सिंह ने भी पुलिस को शिकायत की है। आरोप है कि मिनिस्टर खा द्वारा घर के सामने मीट की हड्डी फेंकने की शिकायत की है। कहने पर झगड़ा करने पर दौड़ पड़े। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेड काटने से रोका तो किया ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के गांव ऊंचा इस्लामाबाद निवासी अर्जुन सिंह पुत्र बाबूराम ने थाना दिवस के मौके पर शिकायत की है। बताया उनके खेत से लगा हुआ मानसिंह निवासी ग्राम कुंदनपुर का खेत है। खेत की सीमा निश्चित करने वाली मेड़ मानसिंह अपने फार्म ट्रक नाम के ट्रैक्टर से काट रहा था। उन्होंने मेड़ काटने से मना किया इतने में ही ट्रैक्टर तेज दौड़ा कर उनके ऊपर चढ़ा दिया होता उन्होंने जैसे तैसे भाग कर अपनी जान बचाई। जब वह अपने घर आया और अपने परिवार वाले के साथ कच्चे कमरे में था तभी मानसिंह ने पुनः उन्हें और उनके पूरे परिवार को जान से मारने की नियत से ट्रैक्टर से कमरे में टक्कर मार दी। जिससे उनका पूरा कमरा क्षतिग्रस्त हो गया और जब इससे कहा तब गाली देने लगा और धमकी दी अगर कहीं शिकायत की तो पूरे परिवार को जान से मार दूंगा। पीड़ित का आरोप है कि इसने कुछ वर्ष पहले भी उनके पूरे परिवार को बेरहमी से पिटाई की जिसकी विवेचना कोर्ट में आदेश से चल रही है। पीड़ित ने पुलिस से कार्यवाही करने की मांग की है।

डंफर में घुसी मिनी बस 35 सवारियां घायल

मैनपुरी की सड़को पर रोज दौड़ रहे हजारों डंफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। करहल मैनपुरी मार्ग पर गांव रतिभानपुर के निकट 35 सवारियों को लेकर जा रही एक मिनी बस सामने जा रहे डंफर से टकरा गई, जिससे मिनी बस में सवार चालक सहित 35 सवारी घायल हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सैफई मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया है। शनिवार की दोपहर एक प्राइवेट मिनी बस मैनपुरी शहर से सवारियों को लेकर करहल जा रहीं थी, जैसे ही बस करहल क्षेत्र के गांव रतिभानपुर के निकट पहुंची तभी हाईवे पर आगे चल रहे डंफर से टकरा गई, इस हादसे में बस चालक शिशुपाल हसंह निवासी नगला डांडी करहल व बस यात्री नब्या, अमीषा, संध्या और सरोज गंभीर रुप से घायल हो गए, इसके साथ बस में सवार सभी 35 यात्रियों को चोटें आई है। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने सभी घायलो को सैफई मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जहां पर कुछ सवारियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

डंफरों से रोज हो रहीं दुर्घटनाएं

मैनपुरी की सड़को पर दौड़ रहे डंफरो से रोज दुर्घटनाएं हो रहीं है। यह डंफर अवैध रुप से बालू भरकर चलते हैं, जो छुपे हुए सड़को का इस्तेमाल रोज कर रहे है। कुरावली घिरोर मार्ग सहित करहल घिरोर मार्ग पर दर्जनों की संख्या में रोज डंफर दौड़ लगा रहे है। सड़को पर दौड़ने वाले डंफरो पर अधिकारियों की गिनाह नहीं जाती है।

वातावरण सुरक्षित रखने के लिए मनाते है पेपर बैग डे

मैनपुरी के सेंट मेरीज स्कूल में मनाया गया पेपर बैग डे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शनिवार को शहर के कचहरी रोड़ स्थित सेन्ट मेरीज स्कूल के केजी सेक्शन में पेपर बैग-डे एक्टिविटी कराई गई। सर्वप्रथम प्रार्थना सभा में अध्यापिका अंशिका ने बच्चों को बताया कि पेपर बैग-डे हम प्रतिवर्ष 12 जुलाई को मनाते हैं। पेपर बैग-डे मनाने का उद्देश्य वातावरण और जीव-जंतुओं को सुरक्षित रखना है। पेपर बैग हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक रहता है। पेपर बैग ईको फ्रैड्ली होता है। हमें पॉली बैग का यूज नहीं करना चाहिए पॉलीथीन बैग हमारे लिए, हमारे जीव-जंतुओं और वातावरण के लिए बहुत ही हानिकारक है। इसलिए हमें पेपर बैग का यूज करना चाहिए। इसके साथ ही सभी कक्षाओं में पेपर बैग मेकिंग एक्टिविटी कराई गई। सबसे पहले क्लास- नर्सरी व केजी वन के छात्रों को अध्यापिका स्वाति श्रीवास्तव, कनिका, अनुराधा, सना सिद्दीकी ने डैमो के द्वारा बताया कि पेपर बैग हम कैसे बनाते है और हमें पेपर बैग व कपड़े के बने बैग का यूज करना चाहिए। इसके पश्चात कक्षा केजी टू की अध्यापिकाओं अनामिका, साधना राजपूत, शीतल ने बच्चों को पेपर बैग बनाना सिखाया साथ ही क्लास फस्ट के बच्चो को भी अध्यापिका भावना त्रिपाठी, अंशिका राजपूत, रूबी जालान आदि सभी अध्यापिकाओं ने पेपर बैग बनाना सिखाया। बच्चों ने बडे ही प्यारे-प्यारे पेपर बैग तैयार किये। यह सभी एक्टिविटी विद्यालय एसोसिएट डारेक्टर कुशाग्र दास और नेहल डी दास के मार्गदर्शन में विद्यालय इन्चार्ज अंजना अधिकारी द्वारा कराई गई।

विद्यालय प्रधानाचार्या मनोरमा ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए पेपर बैग की सराहना की और कहा कि- बच्चो हमें पेपर बैग और कपडे. से बने बैग का ही यूज करना चाहिए।

बकरी के मक्का खा लेने के बाद मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के मौजा वसैत के गाँव पृथ्वीपुर निवासी धीरेंद्र पुत्र बाबूराम शाक्य ने पुलिस को तहरीर दी है।

बताया उनके गांव के परिवारजनों द्वारा सड़क पर मक्का डालकर सुखा रहे थे। रास्ते पर घर जा रही बकरी ने अचानक मक्का को खा लिया है तो उनकी बकरी को उपरोक्त लोगों ने बहुत लात घूसों से मारा पीटा है। जब उन्होंने दिनांक 11 जुलाई को शाम करीब 6 बजे कहासुनी कर रोका तो उन्हें लात, घूंसों लाठी डंडों से बहुत मारा पीटा है। जिससे उनके काफी गंभीर चोटे आई है जब उनकी पत्नी पिंकी व उनकी भाभी प्रेमा देवी बचाने लगी तो उनके साथ भी लाठी डंडों से मारा पीटा है शोरगुल होने पर गांव के मौजूद लोगों ने आकर बचाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सनातन एकेडमी विद्यालय में मनाया पेपर बैग डे

स्कूल के छात्र छात्राओं ने कागज का प्रयोग कर बैग तैयार किए

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शनिवार को शहर के संसारपुर बीलों रोड स्थित सनातन एकेडमी विद्यालय में वर्ल्ड पेपर बैग डे मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में पुराने कागज के उपयोग से बैग निर्मित किये। कार्यक्रम का विधिवत प्रारम्भ ईश वन्दना के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में विद्यालय के छात्र अंश सहाय, अभिनव यादव, छात्रा आराध्या कश्यप तथा अग्रिमा यादव ने अपने विचार रखे। इनके अनुसार इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य कागज निर्मित बैग तथा अन्य सामग्री का उपयोग बढ़ाने हेतु समाज को जागरुक बनाना है। इनके अनुसार कागज निर्मित वस्तुऐं पॉलीथीन की अपेक्षा वातावरण के लिए अधिक उपयुक्त होती हैं।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में छात्र- छात्राओं के मध्य कागज बैग बनाओ गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र- छात्राओं ने पूरे जोश के साथ प्रतिभाग किया और विभिन्न आकारों के रंग बिरगें बैग निर्मित किये। सभी बच्चों ने बैग बनाने के लिये पुराने समाचार पत्रो, मैग्जीन पेपर तथा पुराने चार्ट पेपर इत्यादि का प्रयोग किया। विद्यालय के केजी सैक्शन के छात्र- छात्राओं ने भी अपनी शिक्षिकाओं की मदद से छोटे छोटे बैग बनाए। इस दौरान निम्नलिखित बच्चों के द्वारा निर्मित बैग सराहनीय रहे। कक्षा 8 से नैतिक राजपूत, अंश सहाय, व प्रीती यादव, कक्षा 7 से आराध्या कश्यप, राधिका राजपूत तथा अलीशा नाज, कक्षा 6 से आशकी यादव, आलिया नाज व देवांश कश्यप, कक्षा 5 से प्राची राजपूत, मनु यादव तथा श्रष्टि राजपूत, कक्षा 4 से आराध्या, नन्दनी व श्रष्टि सिंह, कक्षा 3 से वैष्णवी, समद खान व अर्पित माथुर, कक्षा 2 से युग दीक्षित, प्रतीक शाक्य व सुभी यादव का सहयोग रहा।

बैग डे कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

सनातन एकेडमी में कार्यक्रम के दौरान इंचार्ज कृतिका राठौर, शिक्षिका रुपांशी राज, अनीशा यादव अनुष्का चौहान, निधि वर्मा, रागिनी पाल, नम्रता गोस्वामी, इकरा हाशमी, तथा शिक्षक गोपाल कृष्ण, शशांक मिश्रा, गम्भीर सिंह यादव व शुभम कुमार पाल सहित समस्त स्टॉफ का सराहनीय सहयोग रहा।

तहसीलदार और थाना प्रभारी ने सुनी शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। शनिवार को थाने पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे तहसीलदार घासीराम और थाना प्रभारी ललित भाटी ने लोगों की शिकायतों को सुना, इस मौके पर 16 लोगों ने अपनी शिकायते दर्ज कराई जिसमें से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, इस मौके पर मौजूद सभी तहसील स्टाप से तहसीलदार ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण समय से करे, बरसात के समय पर जमीनों के मामले बढ़ जाएंगे जिस कारण सभी राजस्व कर्मी नाप तौल और पैमाईश में पारदर्शिता रखे किसी भी काश्तकार के साथ कोई अन्याय न हो पाए, आपसी तालमेल से अगर जमीनी विवाद निपट सके तो निपटाए विवाद की स्थित पर किसी भी कीमत पर पैमाईश न की जाए, थाना प्रभारी ने कहा कि बिना लेखपाल और कानूनगो के पुलिस पैमाईश या भूमि संबंधी मामलों में नहीं जाएगी, पैमाईश से पहले राजस्वकर्मी थाने पर पूरा विवरण का तस्करा डलवाएंगे, लापरवाही के कारण जौनपुर में पूरा थाना सस्पेंड हुआ है, इस अवसर पर कानूनगो अरविंद यादव, ब्रजेश कठेरिया, लेखपाल रवि यादव, स्वदेश कुमार, रुचि यादव, राजेश शाक्य, हर्षवर्धन सिंह, संदीप कुमार आदि मौजूद थे।

एनसीसी पढ़ाता है अनुशासन और संगठन का पाठ

सुदिती ग्लोबल एकेडमी में एनसीसी कैडेट्स को किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के देवी बाईपास रोड स्थित सुदिती ग्लोबल एकेडमी में शनिवार का दिन गौरव, सम्मान और प्रेरणा से ओतप्रोत रहा, जब विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स को सर्टिफिकेट ए एवं बी के लिए सम्पन्न परीक्षा में सर्वोच्च ए ग्रेड में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन ने सभी कैडेट्स को प्रातः कालीन प्रार्थना सभ्सस मंच पर आमंत्रित कर उनके उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होने कहा कि एनसीसी छात्रों को न केवल अनुशासन और संगठन का पाठ पढ़ाता है, बल्कि यह उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना को भी जाग्रत करता है। यह देखकर गर्व होता है कि हमारे सभी कैडेट्स ह्यएह्ल ग्रेड में उत्तीर्ण हुए हैं। यह न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि 3 यूपी एनसीसी यूनिट अधिकारियों विशेषकर कर्नल नीरज सिंह के कुशल निर्देशन का भी परिचायक है। विद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. ओमेश कुमार तथा आफीसर शशांक दुबे के कुशल प्रशिक्षण में कैडेटस ने यह स्वर्णिम सफलता अर्जित की है।

इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. ओमेश कुमार ने भी सभी कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल अंक या ग्रेड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना के साथ जीने की शुरूआत है। कैडेट्स ने जो समर्पण दिखाया, वह प्रशंसनीय है। मैं उन्हें आने वाले वर्षों में सेना, प्रशासन और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूँ।

यह परिणाम कैडेट्स की मेहनत का परिणाम

एनसीसी प्रशिक्षक श्री शशांक दुबे ने भी अपने संबोधन में कहा कि कैडेट्स की इस सफलता के पीछे उनकी सच्ची लगन, अनुशासन और टीम भावना है। उन्होंने प्रशिक्षण के हर चरण को गंभीरता से लिया, चाहे वह परेड हो, फिजिकल अभ्यास हो या थ्योरी सेशन। यह परिणाम उस मेहनत का प्रमाण है। समारोह के दौरान कैडेट्स के चेहरे पर गर्व की चमक और गुरुजनों की आंखों में संतोष की झलक स्पष्ट देखी जा सकती थी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और जय हिंद के जोशीले नारे के साथ हुआ।

भोगांव हाईवे के डिवाइडर पर नगर पंचायत करेगी बृक्षारोपण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। नगर के मैनपुरी रोड पर फोरलेन एंव नगर मे लोगो को जल्द ही हरियाली ही हरियाली दिखाई देगी तथा हाइवे पर अपने गंतव्य को जाने बाले लोग भी नगर की हरियाली का आनन्द लें सकेगे। नगर पंचायत अध्यक्ष नेहा तिवारी एंव प्रतिनिधि आशीष तिवारी पर्यावरण को संतुलित बनाने के साथ साथ बृक्षारोपण मे विशेष रूचि रखते है मानसून बारिश के दौरान ही भोगांव मैनपुरी मार्ग पर स्थित डिवाईडर पर बृक्षारोपण कराया जायेगा जिसके लिये डिवाईडर की सफाई युद्धस्तर पर शुरू हो गई है सम्भावना है कि अगले सप्ताह तक बृक्षारोपण शुरू हो जायेगा। भोगांव शिकोहाबाद स्थित फोरलेन हाइवे पर बस स्टैण्ड से गांव नगला सुखु तक डिवाईडर पर बृक्षारोपणे के लिये नगर पंचायत ने एक योजना तैयार की थी पौधारोपण के बाद पौधो की सुरक्षा को लेकर डिवाईडर के दोनो तरफ लोहे की जाली लगाई जायेगी। डिवाईडर पर बृक्षारोपण के लियें बस स्टैण्ड से लेकर नगला सुखु तक सफाई कार्य नगर पंचायत कर्मियो द्वारा शुरू हो गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष नेहा तिवारी एंव प्रतिनिधि आशीष तिवारी ने बताया कि बृक्षारोपण मे 1200 पौधो को रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है जिसमे फाइकर, बेजोलियम एंव अशोक तथा अन्य प्रजातियो के पौधे रोपे जायेगे। उन्होने बताया कि आगामी सप्ताह से बृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया जायेगा। उन्होने बताया कि नगर के मुख्य बाजार मे भी चिन्हित स्थानो पर पौधे रोपित किये जायेगे।

उपमंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओं से परेशान हैं आढ़ती व किसान

बरसात के बाद मंडी परिसर और मार्ग की हालत और भी खराब

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। बरसात के बाद नगर में स्थित गल्ला मंडी परिसर और मार्ग की हालत और भी खराब हो गई है जिस कारण आढ़तियां और किसान दोनों भारी परेशान है, परेशान आढ़तियों का कहना है कि अगर जकड़ ही सुनवाई न हुई तो वह मंडी में ताला लगाकर धरना प्रदर्शन करेंगे।

गौरतलब है कि पिछले कई वर्षों से तहसील किशनी स्थित नवीन उप मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर आढ़तियों में भारी असंतोष और आक्रोश व्याप्त है, मंडी समिति के अध्यक्ष होशियार सिंह यादव की अगवाई में मंडी के आढ़तियों ने कई बार प्रदर्शन किया और बताया कि मंडी तक अनाज पहुंचाने के लिए सिर्फ दो रास्ते हैं। एक सड़क रास्ता तहसील के सामने से तथा दूसरी किशनी मैनपुरी रोड से मंडी तक जाती हैं। दुर्भाग्य यह है दोनों सडके इतनी ऊबड़ खाबड़ और कीचड़ युक्त है कि वहां से सुरक्षित निकलना किसी मुसीबत से कम नहीं है। किसान जब ट्रेक्टर या अन्य किसी वाहन द्वारा अपना अनाज मंडी तक लाता है तो अक्सर उनके वाहन पलट जाते हैं जिससे उनका काफी नुकसान होता है, सात माह पूर्व मंडी आ रहे एक टेंपो चालक का टेंपो पलट जाने से चालक की मौत भी हो चुकी है। जब आढती स्वयं अपना अनाज मंडी से बाहर बाजार में भेजते हैं तो उनके बड़े-बड़े ट्रोला भी इस रोड पर पलट जाते हैं जिससे उनका भारी नुकसान होता है। इसके अलाबा मंडी में साफ सफाई करने के लिए कोई सफाई कर्मी नियुक्त नहीं है। इसलिए मंडी में गंदगी का साम्राज्य है। नीलामी चबूतरे से लेकर जितनी भी बिल्डिंग बनी हैं बरसात के दिनों में सभी टपकती हैं। हालात यहां तक हैं कि मंडी परिसर के रास्तों पर भी पानी भर जाता है जिससे अनाज गीला होकर खराब होता है। किसान जब मंडी में आते हैं तो उनके लिए पेय जल की भी कोई व्यवस्था मंडी में नहीं है। चूंकि यह उप मंडी है इसलिए मंडी सचिव बेबर मंडी में बैठते हैं। इसकारण ही सारी परेशानियां हैं। अव्यवस्थाओं से आढ़ती और किसान दोनों ही परेशान है जबकि टैक्स के मामले में किशनी की मंडी सबसे कमाऊ मंडी है। परेशान आढ़तियों ने जिलाधिकारी अंजनी कुमार से मांग की है की वह स्वयं आकर मंडी की अवस्थाओं को देखें और उनकी की मदद करें अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब वह मंडी में ताला लगाकर धरना प्रदर्शन को मजबूर हो जाएंगे।

मुख्य सड़क जर्जर और कीचड़ से है लबालब, ग्रामीण परेशान

- कई गांव को जाता है मुख्य मार्ग, ग्रामीणों ने की सड़क निर्माण की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। विकास खंड का गांव अरसारा की प्रमुख सड़क जर्जर और बरसात के चलते वर्षों से खराब पड़ी है जिस कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण न होने से आवागमन में भारी परेशानी हो रही है, परेशान ग्रामीणों ने डीएम से जर्जर मार्ग पर निर्माण कराने की मांग की है, बताते चले की नगर से 4 किलो मीटर कुसमरा वेवर मार्ग पर गांव अरसारा बसा हुआ है, गांव का मुख्य मार्ग हाइवे के किनारे से डामरीकरण युक्त है सड़क से गांव तक की दूरी एक किलो मीटर है पर ये मार्ग पिछले कई वर्षों से बनाया जाता रहा है जब कभी मार्ग जर्जर हो जाता है तो घटिया सामग्री लगाकर मार्ग तैयार कर दिया जाता है ग्रामीणों ने निर्माण के दौरान कई बार घटिया सामग्री की आवाज उठाई पर कोई ध्यान नही देता जिस कारण आज पूरा मार्ग जगह जगह जर्जर पड़ा हुआ है ग्रामीणों ने भी कई बार मार्ग को लेकर अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों से मरम्मती करण की मांग की पर आज तक काम चालू नही हो पाया, खराब मार्ग से सर्वाधिक परेशान स्कूली बच्चे होते है, ग्रामीण रमाशंकर तिवारी, नीरज त्रिवेदी, केके पांडेय, रामकुमार निराला, आदित्य दिवाकर, रवि निराला, राहुल त्रिवेदी, सोनू गुप्ता, शक्षम तिवारी आदि ने बताया कि उनके गांव का ये मुख्य मार्ग गांव के अंदर से जाता हुआ अन्य गांव को भी जोड़ता है, जो आजकल जर्जर के साथ कीचड़ युक्त के साथ गंदे पानी से भी भरा पड़ा है, परेशान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से जर्जर पड़े मार्ग पर जल्द निर्माण कराने मांग की है।

छोटी खबरें

दो पक्षों में हुई मारपीट में दो घायल, हुई फायरिंग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। रंजिशन धक्का देकर गिरानें के विवाद के चलते दो पक्ष आमने-सामने आ गए। गालीगलौज के बाद जमकर हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गये। इस दौरान कई राउंड फायर भी हुए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। क्षेत्र के ग्राम सफीपुर जसी में शुक्रवार की शाम बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर पथराव होने लगा इसके बाद कई राउंड फायर भी हुए। फायरिंग से गांव में भगदड़ मच गई। वहीं पथराव में एक महिला तथा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन्हें स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस द्वारा मामले को शांत कराया गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

आकाशीय बिजली गिरनें से भैंस की मौत, चार महिलायें बेहोश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। तेज बारिश के दौरान अचानक तेज आबाज के गिरी आकाशीय बिजली से खेत में धान की फसल लगा रहीं चार महिलाएं बेहोश हो गई। जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। शनिवार की दोपहर तेज बारिश के दौरान दो ग्रामों में आकाशीय बिजली गिरने से लोगों में दहशत फैल गई। ग्राम खुदलापुर के निकट खेत में धान की फसल लगा रही 55 वर्षीय गुड्डी पत्नी सुभाष चंद्र, 50 वर्षीय सुमन पत्नी राम लखन, 36 वर्षीय ज्योति पत्नी सूरज, 40 वर्षीय अंजू पत्नी राकेश निवासी खुदलापुर आकाशीय बिजली गिरने से बेहोश हो गई। जिन्हें खेतों में काम कर रहे लोगों ने इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी भर्ती कराया। इस घटना के बाद खेतों में काम कर रहे लोगों में दहशत फैल गई और काम छोड़कर अपने घरों को चले गए।

किसानों को बाजरे का बीज वितरित किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। सरकार कृषि को बढ़ावा देते हुए मोटा अनाज पैदा करने को प्राथमिकता दे रही है। इसीके चलते सरकार प्रतिवर्ष लाखों टन मोटे अनाज का निःशुल्क वितरण किसानों को कराती है। इस वर्ष भी जनपद के राजकीय बीज गोदामों पर बाजरे का बीज वितरित किया जा रहा है। इसी के चलते कस्बा किशनी स्थित राजकीय बीज गोदाम पर शनिवार की सुबह किसानों को निशुल्क बाजार का बीच वितरित किया गया। इस मौके पर एडीओ कृषि नरेश राठौर ने बताया कि क्षेत्र के जो भी किसान बाजरे की फसल पैदाकरना चाहते हैं और जिनको बाजरे का बीज मुफ्त में चाहिए वह अपना आधार कार्ड लेकर बीज गोदाम पर आए और पॉश मशीन में अंगूठा लगवा कर बीज प्राप्त कर ले।

अवैध असलाहों के साथ पुलिस ने दो दबोचे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना गंगीरी पुलिस टीम ने दो शातिर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध तमंचा कारतूस व छुरा बरामद किया है। पुलिस टीम ने गश्त व चेकिंग के दौरान बिलाल पुत्र नूर मौहम्मद निवासी मौहल्ला रजानगर थाना क्वार्सी को मय एक अवैध तमंचा व एक जिन्दा कारतूस सहित तथा अबरार पुत्र इशरार निवासी मौहल्ला रजानगर थाना क्वार्सी को मय एक अवैध छुरा सहित काली नदी पुल ग्राम हिदरामई से गिरफ्तार किया गया है।

व्यापारी नेता के प्रतिष्ठान उद्घाटन पर टूटी राजनैतिक सीमाएं

जनप्रतिनिधियों ने ग्राहकों को भेंट कीं इलेक्ट्रिक स्कूटी की चाबी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर के मोहल्ला रामगंज पश्चिमी बाईपास पर व्यापारी नेता शिवम राज वर्मा के नवीन प्रतिष्ठान सीताराम ईवी मोटर्स योंटो ई-स्कूटी का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें दलीय सीमाएं उस समय टूटती नजर आईं। जब विभिन्न दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने ग्राहकों को स्कूटी की चाबियां सौंपी।

उदघाटन समारोह का शुभारंभ पूजा-अर्चना कर किया गया। जिसके बाद प्रमुख अतिथियों के रूप में विद्यायक छिबरामऊ अर्चना पाण्डेय, पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिददीकी, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष दीपू शर्मा, भाजपा नेता विनय वर्मा आदि ने व्यापारी नेता शिवमराज वर्मा के व्यापारिक विस्तार की सराहना करते हुये इसे क्षेत्र के आर्थिक विकास से जोड़ा। इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने एमडी मुक्तिका शर्मा, संदीप दिल्लो के साथ स्वयं ग्राहकों को इलेक्ट्रिक स्कूटी की चाबी सौंपते हुए उन्हें पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संरक्षक सुभाष चंद्र वर्मा ने कहा कि यह प्रतिष्ठान न केवल व्यापार का केंद्र होगा, बल्कि क्षेत्रवासियों के लिए विश्वास और गुणवत्ता की पहचान भी बनेगा। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विकाश गुप्ता, मुजफ्फर खान, शान मोहम्मद, अयूब खान, इकबाल अहमद मास्टर, दिलीप गुप्ता, शशि, आयुष वर्मा, प्रताप चंद्र वर्मा, इंद्रेश चंद्र, यतेंद्र वर्मा, गौरव वर्मा, रेयांश राज वर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्थानांतरण की समस्या को लेकर शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

लखनऊ/अलीगढ़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट द्वारा शिक्षा निदेशालय लखनऊ में ऑफलाइन स्थानांतरण को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया।इस दौरान पूर्व एमएलसी एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सुरेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में ये कार्यक्रम रखा गया जहां पर मंच का संचालन महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया।यहां पर एमएलसी,नेता शिक्षक दल विधान परिषद एवं सभापति ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जब तक लिखित रूप में उन्हें स्थानांतरण के संबंध में आदेश नहीं मिल जाता तब तक धरना जारी रहेगा और जेल भरो आंदोलन किया जाएगा।वहीं अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि वह जेल जाएंगे अन्यथा स्थानांतरण का आदेश लेकर जाएंगे।इस अवसर पर डॉ.प्रमोद कुमार मिश्र,प्रदेश उपाध्यक्ष,रमेश चंद शर्मा,इंद्रासन सिंह पूर्व महामंत्री एवं विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष एवं मंत्री ने अपने विचार रखे साथ ही इस धरने पर हजारों की संख्या में प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।धरने पर शिक्षा निदेशक डॉक्टर महेंद्र देव उपस्थित हुए और उन्होंने लिखित रूप में आश्वासन दिया कि शिक्षा मंत्री से वार्ता करके शीघ्र ही स्थानांतरण पर विचार किया जाएगा और ये लिखित में आश्वासन मिलने के उपरांत ही अध्यक्ष ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। इस अवसर पर मेरठ के शिक्षकों के प्रकरणों का ज्ञापन शिक्षा निदेशक डॉ.महेंद्र देव को दिया गया और शिक्षा निदेशक ने शीघ्र ही कार्यवाही का आश्वासन दिया।

एसएसपी ने किया बारबर शॉप का उद्घाटन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। एसएसपी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में जीर्णोद्धार किए गए बार्बर शॉप का उद्घाटन किया गया । एवं बार्बर शॉप हेतु मंगवाए गए नए उपकरणों एवं सामग्रियों का निरीक्षण किया गया । महोदय द्वारा परिसर में साफ-सफाई रखने एवं आस-पास पौधे लगाने के निर्देश भी दिये।

उक्त वातानुकूलित बारबर शॉप आधुनिक मशीनों और सुविधाओं से लैस है जिसका लाभ जनपद के समस्त पुलिसकर्मी ले सकेंगे । बार्बर शॉप में जवानों के लिए पानी, वेटिंग एरिया में बैठने हेतु एसी, सोफा आदि की उचित व्यवस्था करायी गयी है एवं 04 कुर्सी क्षमता की मॉडर्न बार्बर शॉप है जिसमें कार्य हेतु 03 कर्मचारी (राहुल कुमार, सुरेन्द्र कुमार, गौरव) नियुक्त हैं ।

उद्घाटन के दौरान पुलिस अधीक्षक यातायात प्रवीन कुमार, स0पु0अ0/ क्षेत्राधिकारी लाइन्स मयंक पाठक , क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय सर्वम सिंह, प्रतिसार निरीक्षक अनुभव कुमार त्रिपाठी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे ।

पूर्व विधायक ने जन समस्याओं को सुनकर आपसी विवाद सुलझाये

आपसी मतभेद भुला कर मिशन 2027 की तैयारियों में जुटें-ताहिर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं ने पीडीए को मजबूत करने के लिए राजनीतिक कसरत शुरू कर दी है।

बताते चलें कि पीडीए को मजबूत करने के लिए पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी लगातार क्षेत्र का दौरा कर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनकर उनका हल निकाल रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को क्षेत्र के ग्राम डुंडवाबुजुर्ग के निकट स्थित अपने प्रतिष्ठान बुलबुल कोल्ड स्टोरेज मे पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी द्वारा क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुना गया। मुख्य रूप से क्षेत्र के ग्राम डुंडवाबुजुर्ग एवं बिलंदपुर के दो व्यक्तियों के बीच मे उपजे भूमि विवाद को दोनों पक्षों की मौजूदगी मे सुलझाया गया। एवं सभी लोगों से शांति एवं सौहार्द के साथ आपसी मेल मिलाप से रहने की अपील की।

पूर्व विधायक ने कहा कि आपसी मतभेद भुला कर अभी से सभी लोग आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि इस बार पीडीए को मजबूत कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। तभी प्रदेश मे खुशहाली आएगी। इस मौके पर प्रधान डॉ. हामिद खॉन, पूर्व प्रधान पकरुल खान, गुड्डू, गिरीश चंद्र तिवारी, बलवीर यादव, विकास शर्मा, मौला बंबइया, मुजफ्फर खान, सभासद अयूब सिद्दीकी, आकिल खां सहित कई लोग मौजूद थे।

समाधान दिवस में आई चार शिकायतों में से दो हुई निस्तारित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। शासन के निर्देश पर स्थानीय कोतवाली परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें पीडितों द्वारा कुल चार शिकायतें प्रस्तुत की गईं। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे ने शिकायतों को गंभीरता से सुना और मौके पर ही दो शिकायतों का निस्तारण किया।शनिवार को स्थानीय कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में आयोजित समाधान दिवस में तीन पुलिस एवं एक राजस्व संबंधित शिकायतें आई जिन्हें सुनकर पुलिस संबंधित दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। जबकि शेष दो मामलों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये। इस दौरान उन्होनें कहा कि पुलिस और राजस्व कर्मी जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। इस दौरान निरीक्षक चन्द्र प्रकाश तिवारी, कानूनगो कौशलेन्द्र दुबे, लेखपाल राजेश अग्निहोत्री, अभिषाक कटियार, अतुल प्रताप सिंह, कुलदीप यादव, रोहित यादव सहित तमाम राजस्व व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को दौड़ा दौड़ा कर पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना सासनीगेट क्षेत्र में चौराहे पर सफाई कर्मियों ने राष्ट्रीय और राज्य मार्ग को जाम कर दिया। कर्मियों को शांत कराने पहुंचे नगर स्वास्थ्य अधिकारी को गुस्साए मानदेय कटौती से नाराज सफाई कर्मचारियों ने पीट दिया। किसी भी तरह अधिकारी ने वहां से भाग कर जान बचाई। मामले में सात सफाई कर्मियों की सेवा समाप्त कर सुपरवाइजर समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया।

सुकमा कम्पनी ने अनुशासनहीनता में एक सुपरवाइजर समेत सात सफाई कर्मियों की सेवा समाप्त कर दी है। दूसरी ओर पुलिस ने सुपरवाइजर समेत चार पर अधिकारी के कार्य निवर्हन में बाधा डालने व चोट पहुंचाने के मामले में मुकदमा दर्ज किया है।

प्राथमिक विद्यालयों के विलय का आदेश हटाया जाये:कांग्रेस कमेटी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमैटी के आह्वान पर पूरे उत्तर प्रदेश में भाजपा की प्रदेश सरकार के विरुद्ध ह्लपोल खोलो अभियानह्व चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला एवं महानगर कांग्रेस कमैटी की ओर से पूर्व विधायक विवेक बंसल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार की पोल खोलते हुए राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन एसीएम प्रवीण कुमार को दिया। ज्ञापन के द्वारा मांग की गई कि प्राथमिक विद्यालयों के विलय का आदेश हटाया जाये, जर्जर हो चुके विधालयों को भवनों बनाया जाये और प्रदेश में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार व बरसात के दिनों में जर्जर हुई गड्ढायुक्त सड़कों व निचले क्षेत्रों में भारी जलभराव को समाप्त कराये जाने हेतु भाजपा सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें।

इस अवसर पर विवेक बंसल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री ० उनकी सरकार के मंत्रीगण प्रदेश में सबकुछ सुचारू रूप से चलने का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन वास्तव में वो है नहीं। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है, प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूर्ण रूप से विफल हो रही हैं और अभी हाल ही में प्रदेश सरकार ने प्राथमिक विधालयों के विलय का जो निर्णय किया है वो प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा को निजी स्कूलों को सौपने का एक सोचा समझा षड़यंत्र है। कानून व्यवस्था लगभग पूरे प्रदेश में बदहाल है ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री किस प्रकार उत्तर प्रदेश के विकास और सुशासन का जो ढिंढोरा पीटते हैं वो सरासर बेईमानी है। ज्ञापन देने वाले प्रमुख कांग्रेसजनों में रुखसाना बेगम, अजरा खान, रामकिशन गोस्वामी, शाहरुख खान, कैलाश बाल्मीकि, मोहम्मद जियाउद्दीन राही, जितेन्द्र कुमार तोशी, पार्षद बिजेंद्र सिंह बघेल, दीपक पाठक, अकील कुरैशी, यामीन खान मेव, वसीम खान, सय्यद शहजाद हुसैन, नादिर खान, रईस गाजी, मोहम्मद उर्फी, मुकीम पठान, सोमेश चौहान, विक्रांत गुप्ता, साजिद बाबू, चित्रवीर सिंह चिंटू, रामप्रकाश झा, नितिन ठाकुर, आदि उपस्थित थे।

सुपारी लेकर जबरन बसूली करने वाले पुलिस ने तीन अभियुक्त पकड़े

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना मडराक पुलिस व क्रिमिनल इंटेलीजेन्स विंग ग्रामीण की सयुक्त टीमों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीमों द्वारा लोगों को डरा धमका कर सुपारी लेकर जबरन बसूली करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार किया है। पकड़े गये शातिरों के कब्जे से

अवैध शस्त्र कारतूस, चौथ बसूली के बीस हजार सौ रुपये व घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

थाना मडराक पुलिस टीम व क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग ग्रामीण की संयुक्त टीमों द्वारा चेकिंग के दौरान लोगों को डरा धमका कर सुपारी लेकर जबरन बसूली करने के मामले में वांछित आरिफ पुत्र अब्दुल कयूम निवासी मोहल्ला जयजयराम सोरों गेट राज कोल्ड स्टोर के सामने कासगंज थाना कोतवाली कासगंज जनपद कासगंज,बबलू कश्यप पुत्र राधेश्याम निवासी बाबा कालोनी धनीपुर थाना गॉधीपार्क,धर्मेन्द्र शर्मा उर्फ चीनू पुत्र स्व. जयन्ती प्रसाद शर्मा निवासी ज्वालापुरी मन्दिर वाली गली नम्बर थाना क्वार्सी को मय अवैध तीन देशी तमंचा व आठ कारतूस जिंदा,चौथ बसूली के बीस हजार सौ रुपये व घटना में प्रयुक्त एक पल्सर मोटर साइकिल सहित चिरौलिया पुल मन्दिर के पास थाना मडराक क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

शूटरों ने तमंचे की नौंक पर की चौथ बसूली

मुकदमा वादी राधे सैनी पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी स्काई टॉवर सासानी गेट जनपद अलीगढ़ के साले पवन पुत्र प्यारे लाल से सस्ते दामों पर बिना परिवारीजनों के बताये रोशन शर्मा उर्फ पप्पू पहलवान व धर्मेन्द्र उर्फ चीनू ने एक दुकान की रजिस्ट्री करा ली जिसकी शिकायत राधे सैनी ने की थी उक्त शिकायत से रोशन शर्मा व धर्मेन्द्र उर्फ चीनू रंजिश मानने लगे । इसी बात का बदला लेने के लिये रोशन शर्मा व धर्मेन्द्र ने राधे सैनी, भाइयों व उसके साथियों की हत्या करने के लिये भाड़े पर शूटर ,आरिफ पुत्र अब्दुल कयूम,बबलू कश्यप पुत्र राधेश्याम, विक्रम पुत्र चन्द्रपाल को एक करोड़ रुपए की सुपारी दी । 18 जून को राधे सैनी की हत्या करने के उद्देश्य से सुबह प्लॉट देखने के बहाने शूटर आरिफ, बबलू व विक्रम ने मथुरा रोड सहारनपुर साइट पर बुलाया था लेकिन राधे सैनी ने एक करोड़ से ज्यादा रुपए देने की बात पर शूटरों ने तमंचे की नोक पर राधे सैनी से चौथ बसूली के 35 हजार रुपये लिये तथा शेष रुपयों को अपने जीवन दान के लिये राधे सैनी ने बाद में देने के लिये कहा था । उस दिन शूटरों ने हत्या नहीं की थी । जब शेष रुपयों के मांगने के लिये राधे सैनी से बार बार फोन पर धमकी दी गयी लेकिन राधे सैनी के द्वारा शेष नहीं दिये गये तो इसी बात का सबक सिखाने के लिये राधे सैनी के साथी वीरपाल दिवाकर पर बंबे के पास थाना हरदुआगंज में जान लेवा फायर किया गया जिससे वह भी बाल बाल बचा था । पकड़े गये आरोपी शातिर किस्म के अपराधी है जिन पर हत्या, चौथ बसूली, लूट आदि के कई मुकदमे पंजीकृत हैं।

पोखरों पर अवैध इमारत खड़ी कर रहे भू-माफिया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। सूबे के मुख्यमंत्री आदित्य योगी नाथ द्वारा लगातार सूबे में प्रशासन और शासन स्तर पर आदेश दिए जा रहे हैं, जो भी सरकारी जमीन ओर पोखर पर अवैध कब्जा है उनका कब्जा मुक्त कराया जाए, लेकिन निचले स्तर पर शासन और प्रशासन के द्वारा शिकायत मिलने के बाद भी सरकारी जमीन ओर पोखर को कब्जा मुक्त कराने में अनदेखी की जा रही है। कहीं ना कहीं अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना करते नजर आ रहे हैं और सरकारी जमीन ओर पोखर को खाली नहीं करा पा रहे हैं। जिसके चलते भूमाफिया के हौसले बुलंद आए दिन नजर आ रहे हैं।

थाना बरला क्षेत्र के गांव टिकटा में मुख्य मार्ग पर पोखर पर भू माफिया के द्वारा कब्जा किया गया है। पोखर के ऊपर ही मदरसा और इमारतें बना दी गई है। लगातार जिलाधिकारी को शिकायत मिलने के बाद भी प्रशासन इस पोखर को कब्जा मुक्त कराने में नाकाम नजर आ रहा है। जब इस पोखर की जानकारी क्षेत्रीय लोगों से की गई तो क्षेत्रीय लोगों की अलग-अलग राय देखने को मिली, जब इस पोखर की जानकारी क्षेत्रीय प्रधान से ली गई तो उन्होंने अभिलेखों के आधार पर पूरी जानकारी दी और कहा कि किसी समय पर यहां पोखर हुआ करती थी। आज भू माफिया के द्वारा इस पोखर पर कब्जा कर लिया गया है। मौजूदा प्रधान से पोखर को कब्जा मुक्त कराने की बात कही गई तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यदि पिछले प्रधान जब कब्जा मुक्त नहीं करा सके तो मैं इस पोखर को कैसे कब्जा मुक्त करवा सकता हूं, यदि प्रशासन और शासन स्तर पर इस पोखर पर कार्रवाई की गई तो वह इस पोखर को कब्जा मुक्त कराने में अपना पूरा सहयोग प्रदान करेगें।

छोटी खबरें

पत्नी पर शक के चलते पति ने काटी पत्नी की गर्दन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना बन्नादेवी क्षेत्र के बरौला जाफराबाद में एक युवक ने ब्लेड से खुद की गर्दन पर वार कर लिया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पत्नी पर शक करने के चलते उसने यह कदम उठाया। बरौला जाफराबाद निवासी युवक की पत्नी मेले में सामान बेचतीं हैं। आरोप है कि पत्नी देर से घर लौटती है। इस पर वह उस पर शक करता है। विरोध करने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। तभी युवक ने ब्लेड से खुद की गर्दन रेत ली। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर बनी हुई है।

घायल महिला की जिला अस्पताल में मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र के नगला हीरा गांव में चारा कूटने वाली मशीन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुई महिला की शनिवार की सुबह जिला अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और औपचारिकताएं पूरी कर शव लेकर गांव चले गए। परिजनों के मुताबिक नगला हीरा गांव निवासी 50 वर्षीय मनदेवी पत्नी चोब सिंह गत शुक्रवार को पशुओं के लिए चारा कूटने के बाद डीजल इंजन बंद कर रहीं थी, इसी दौरान उनकी साड़ी इंजन में फंस गई। जब तक इंजन बंद हुआ, तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने महिला को उपचार दिया, लेकिन उसके बाद भी हालत लगातार बिगड़ती गई। शनिवार की तड़के महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिवारीजनों ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई करने से इंकार कर दिया और शव को लेकर घर चले गए।

अलग-अलग क्षेत्रों में तीन लोगों को सांप ने काटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/सोरों। सोरों व ढोलना थाना क्षेत्र में एक युवती, महिला समेत तीन लोग सर्पदंश का शिकार हुए हैं। परिजनों ने सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। चिकित्सकों ने सभी को भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया है। पहली घटना सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव सागरपुर निवासी गीतम सिंह की 20 वर्षीय पुत्री जयंता को शुक्रवार की शाम समय करीब सात बजे खेत में मूंगफली एकत्रित करते समय बाएं हाथ की उंगली में सांप ने काट लिया। जानकारी के बाद परिवारीजन उसे जिला अस्पताल लेकर आए, जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने जयंता को भर्ती कर लिया है। दूसरी घटना ढोलना थाना क्षेत्र के वाहिदपुर माफी गांव में शनिवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे 45 वर्षीय गीता देवी पत्नी विजय सिंह पानी की बाल्टी से जग निकाल रहीं थी, तभी बाल्टी में बैठे सांप ने उन्हें काट लिया। चीखपुकार पर पहुंचे परिवारीजन महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने महिला को भर्ती करके उपचार शुरू कर दिया है। तीसरी सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव गंगागढ़ निवासी 47 वर्षीय जसवीर पुत्र रघुवीर अपने खेत में मूंगफली तोड़ रहे थे। तभी उन्हें बाएं हाथ में सर्प ने डस लिया। हालत बिगडने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए। चिकित्सकों ने उसे भर्ती करके उपचार दिया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर दोपहर बाद उसे घर भेज दिया गया।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र में हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोग घायल हुए हैं। दोनों घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां से एक घायल को रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव तबालपुर निवासी 30 वर्षीय धीरज कुमार पुत्र रामविलास शुक्रवार की रात्रि गांव के समीप सड़क पार कर रहे थे, तभी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। शनिवार की दोपहर करीब दो बजे शहर के नदरई गेट मिशन चैराहा पर ईको गाडी ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना 23 वर्षीय शिवानी पत्नी विशाल निवासी ततारपुर कॉलोनी घायल हो गई। वह अपने बेटे को दवा दिलाने जा रही थी, तभी दुर्घटना हो गई। महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाजार गई महिला नहीं लौटी घर, गुमशुदगी दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ढोलना क्षेत्र के एक गांव से बाजार गई महिला घर नहीं लौटी है। तलाश के बाद भी पता नहीं चलने पर पति ने थाना में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। रिपोर्ट में एक युवक ने बताया है कि गत छह जुलाई को उसकी पत्नी बाजार जाने की कहकर गई थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी, उसके बाद उसे तलाश किया, लेकिन कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा डिग्री कालेज गंजडुंडवारा के पूर्व प्राचार्य प्रो. एसएल राठौर की जयंती के उपलक्ष में डिग्री कालेज के पुस्तकालय परिसर में सम्मान समारोह हुआ। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का शुभारंभ प्रो. शेखर शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि एमएलसी मानवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला प्रचारक आर्येन्द्र, विभाग प्रचारक कुलदीप रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग किशनवीर शाक्य ने की, जबकि संचालन डा. शशिभूषण शर्मा चेतन ने किया। इस दौरान हरीश चन्द्र पालीवाल, राम सनेही मिश्रा, मालती तिवारी, मुन्नी देवी गुप्ता, सुरेंद्र सिंह राठौर, जितेंद्र सिंह राठौर, रामभवन सिंह, रत्न सिंह शाक्य, जनार्दन शर्मा, सुजान सिंह, प्रेमवीर सिंह चैहान, दीनानाथ शाक्य, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, मोहर पाल सिंह शाक्य, रामवीर सिंह यादव, उमेश सक्सेना सहित अन्य शिक्षकों को श्रीराम का पटका पहनाकर, प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

धान की रोपाई करने जा रहे मजदूरों का ऑटो पलटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। कोतवाली अतरौली क्षेत्र के गांव हैवतपुर के निकट धान की रोपाई करने जा रहे मजदूरों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खेत में पलट गया। जिसमें 22 महिला पुरुष और बच्चे घायल हो गए।

जिला मलखान सिंह अस्पताल से गम्भीर रूप से घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। गांव नगला लोधा से करीब 25 मजदूर एक ऑटो के द्वारा बरला के गांव रामनगर में धान की रोपाई करने जा रहे थे। शनिवार की सुबह जैसे ही मजदूरों से भरा ऑटो इज्जतपुर बंबा की पटरी वाले रास्ते से हैवतपुर और नागलिया खैराबाद के बीच पहुंचा अचानक सामने से दूसरा वाहन आ गया। जगह कम होने के कारण साइड से निकलने के दौरान ऑटो से चालक का नियंत्रण हट गया और ऑटो खेत में पलट गया। इसमें सभी महिलाएं और बच्चे दब गए। चीख-पुकार मचने पर खेतों में काम कर रहे लोग घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। खेतों में काम कर रहे लोगों ने ऑटो उठाकर उसमें दबे बच्चों और महिलाओं का बाहर निकालकर सीएचसी भेज दिया।

जहां गंभीर हालत देख सूरज, तरुण, मनोरमा, लवकुश को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अन्य घायलों में शिवम, पुनीत, विशाल, संतोष, गौरव, कमलेश, कपिल, कीर्ति, योगेश, जतिन, अंजली, विवेक, भूरा, प्रवीण, वर्षा, चंद्रपाल, आकाश, घनेंद्र भी घायल हुए हैं। उन्हें उपचार के लिए सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती किया गया है।

गंदगी और जलभराव से परेशान है वसावनपुर गांव के लोग

जर्जर सड़क और नाली न होने से मार्ग में भर जाता है बरसात का गंदा पानी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर विधनसभा क्षेत्र का वसावनपुर गांव आज भी विकास की राह देख रहा हैं। विकास की आस करते में अरसा बीत गया। अब लोग कहने लगे है कि कोई तो बताए आखिर मुख्य मार्ग कब बनेगा। गांव में विकास कार्य न होने से ग्रामीण परेशान है। गांव में खंड़जा और नाली का निर्माण नही हुआ हैं।

लोगों को आवागमन में खासी दिक्कते उठानी पड़ रही हैं। जर्जर सड़के और जलभराव से लोग परेशान है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी मेधा रूपम से समस्या के निदान की गुहार लगाई हैं। वसावनपुर गांव की स्थिति दयनीय बनी हुई है। नालियां कीचड़ से भरी हुई हैं। वहीं मुख्य सड़कें, खरंजा या तो टूटे पड़े हैं या फिर दलदल बन चुके हैं। आते-जाते समय बच्चे व बुजुर्ग भी कीचड़ में फिसलकर गिर जाते है। जिसकी वजह से ग्रामीणों को परेशानी हैं। जनप्रतिनिधि समस्या को दूर कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। ग्रामीणों ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत की है। वसावनपुर गांव को जाने वाला यह मुख्य मार्ग है। मार्ग की लम्बाई 110 मीटर हैं। यहां विकास कराने को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। योजनाओं का लाभ भी ग्रामीणों को नहीं मिला है। इस गांव की आबादी 800 के करीब है। आरोप है कि मुख्य मार्ग पर पिछले कई सालों से दलदल और जलभराव रहता है। गलियों में सड़कें टूटी पड़ी हैं।

मुख्य गलियां कीचड़ व गंदगी से भरी हैं। बच्चों को स्कूल आने-जाने में गंदगी से गुजरना पड़ता है। इन्होंने उठायी समस्या ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में विकास कार्य की मांग की है। इनमें दीपक पाठक, कुमरपाल शाक्य, शंकर लाल, महीपाल, राहुल, आशीष मिश्रा, अजय प्रधान, रामकिशोर डीलर, चरन सिंह डीलर, अनोखेलाल, राजू शाक्य, तिलक सिंह, विनोद, राम वकील आदि हैं।

कांवड़ मार्ग और लहरा गंगा घाट का डीआईजी ने किया निरीक्षण

कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता है- प्रभाकर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सावन माह में होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा और व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लेने डीआईजी अलीगढ़ रेंज प्रभाकर चैधरी ने शुक्रवार को सोरों लहरा रोड कांवड़ मार्ग और लहरा गंगा घाट का निरीक्षण किया।

इस दौरान उनके साथ एसपी अंकिता शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती और क्षेत्राधिकारी नगर आंचल चैहान भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन और जल व्यवस्था की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक इंतजाम समय से पूरे किए जाएं। लहरा गंगा घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों को भीड़ नियंत्रण, निगरानी व्यवस्था और आकस्मिक स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रभाकर चैधरी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता है। सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करना होगा ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके।

सड़क पार कर रहे राहगीर को बाइक सवार ने मारी टक्टर, रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के 30 वर्षीय युवक सड़क पार कर रहा था तभी बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुची पुलिस और परिजनों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव तबालपुर निवासी रामविलास के 30 वर्षीय पुत्र धीरज शुक्रवार देर रात्रि अपने गांव से शौच करने के लिए सड़क पार करते समय धीरज को बाइक सवार ने टक्कर मार दी पुलिस ओर परिजनों द्वारा एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया। नदरई चैकी उपनिरीक्षक चंचल कुमार ने बताया घायलों अलीगढ़ रेफर कर दिया है। बाइक सवार मौके से फरार घायल के परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

भाजपा जिला मंत्री ने किया पौधारोपण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। मंडल कासगंज देहात के तिलसई खुर्द में भाजपा जिला मंत्री रामनिवास राजपूत ने कार्यकताओं और कासगंज देहात मंडल के अध्यक्ष रणजीत सिंह के साथ पौधारोपण किया। जिला मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम महाअभियान के तहत पौधारोपण करते हुए प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पेड़ जरूर लगाने की अपील की। उन्होंने कहा पेड पौधों से पर्यावरण स्वच्छ होगा। एक पेड़ मां के नाम का सार प्रतीकात्मक भाव है, अपनी मां के नाम से पौधा जरूर लगाना है, पेड़ जीवन साथी होते हैं और एक मां की तरह अगली पीढ़ी को पोषण सुरक्षा और भविष्य प्रदान करते हैं। इस अवसर पर लवकुश राजपूत, मनोज कुमार, सुनील कुमार, लोकेश राजपूत, रन सिंह, प्रेम सिंह मौजूद रहे।

बाइक सवार दम्पति को बोलेरो ने मारी टक्कर, एक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमापुर थाना क्षेत्र के गांव नगला मुरली के समीप बाइक सवार दम्पित को बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस द्वारा दोनो गम्भीर घायलो उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया है।

बात दे कि सहावर क्षेत्र क ग्राम सहाबाजपुर निवासी सोनू पुत्र गुरुशरण उम्र 22 वर्ष शनिवार की सुबह समय करीब 8:30 बजे बाइक द्वारा अपनी पत्नी रेशमा के साथ मैनपुरी में अपनी मौसी के जहां जा रहे थे तभी अमापुर थाना क्षेत्र के गांव नगला मुरली के समीप पहुंचे तभी सामने से बोलेरो ने टक्कर मार दी। जिसमें सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस एवं परिजनों द्वारा अमापुर सीएससी में भर्ती कराया गया। सोनू की गंभीर हालत देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला जिला अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा सोनू को मृत घोषित कर दिया। अमापुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया दोनों वाहन कब्जे में है। मृतक के परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

कांग्रेस कमेटी की ब्लॉक स्तरीय बैठक संपन्न

संगठन व पार्टी को मजबूत करना उनकी पहली प्राथमिकता- पांडे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शनिवार को संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी की ब्लॉक स्तरीय बैठक ब्लॉक अमापुर के गांव नगला सुमेर में संपन्न हुई। जिसमें मुख्यातिथि के तौर जिलाध्यक्ष मनोज पांडे मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मनोज पांडे ने कहा कि संगठन व पार्टी को मजबूत करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी, बहुत जल्द ब्लॉक स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए जायेगे इसके साथ ही मंडल स्तर पर संगठन खड़ा किया जायेगा जिला महासचिव ब अमापुर विधानसभा प्रभारी तरुण शर्मा ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह धूमिल हो चुकी हैं महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं ग्रामीण बच्चों से किताबें छीनी जा रही हैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य मुनेंद्रपाल सिंह राजपूत ने कहा कि सभी लोग मन से संगठन को मजबूत करें और मेहनत करें। कार्यक्रम को जिला महासचिव विमल सिसोदिया, अमित कुमार यादव एडवोकेट, ब्लॉक अध्यक्ष कौशल किशोर वशिष्ठ ने भी सम्बोधित किया बैठक में मनोज दीक्षित, सुभाष दीक्षित, महेश राजपूत, रामकुमार यादव, पंकज लोधी, रवि वर्मा, केशव प्रसाद, नेत्रपाल सिंह, दीपक शर्मा, अमन शर्मा, शिवेश दीक्षित, राजवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा के लिए अतिसंवेदनशील श्रेणी में संभल, जियो ट्रैकिंग से कांवड़ियों के जत्थे पर रहेगी पुलिस नजर

संभल

संभल पुलिस ने कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए पहली बार जियो ट्रैकिंग तकनीक अपनाई है। इस तकनीक से कांवड़ियों के जत्थों की लाइव लोकेशन पुलिस कंट्रोल रूम की स्क्रीन पर नजर आएगी। अगर कोई जत्था कहीं रुकता है या असुविधा में होता है, तो पुलिस तुरंत मदद पहुंचा सकेगी। संभल पुलिस जियो ट्रैकिंग के जरिए कांवड़ियों के जत्थों की निगरानी करेगी जो जत्थे संभल से रवाना हुए हैं उनके लौटने के दौरान उनकी पल-पल की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम की स्क्रीन पर दिखाई देगी। इसका लाभ यह रहेगा कि कहीं कोई जत्था रुकता है तो पुलिस उसकी जानकारी तत्काल कर सकेगी।

कहीं कोई असुविधा जत्थों को लगती है तो पुलिस-प्रशासन की मदद पहुंचेगी। एएसपी (उत्तरी) राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर में 200 से ज्यादा कैमरे लगे हैं। इन कैमरों का कंट्रोल रूम बना हुआ है। ऐसे में जत्थे ट्रैकिंग तकनीक से मौके की तस्वीर को कंट्रोल रूम में बैठकर देखा जा सकता है। एएसपी का दावा है कि यह तकनीक यूपी में पहली बार संभल में इस्तेमाल हो रही है। भविष्य में सभी त्योहारों में इसका उपयोग किया जाएगा। एएसपी का कहना है कि कांवड़ियों के जत्थे रवाना हो गए हैं।

वह रविवार की देर रात तक संभल की ओर लौटेंगे। सोमवार को जलाभिषेक होगा। इन जत्थों में जो जिम्मेदार लोग हैं उनके

मोबाइल से लाइव लोकेशन पुलिस कंट्रोल रूम में स्क्रीन पर दिखाई देगी। जगह-जगह जो कैमरे लगे हैं। उनके माध्यम से जत्थों को ट्रैक किया जाएगा।

जत्थों की हर गतिविधि कैमरे पर रहेगी और इससे सुरक्षा भी चाकचौबंद रहेगी। बताया कि जिन जत्थों को पुलिस एस्कॉर्ट करेगी, और वह जत्थे काफी देर तक एक ही स्थान पर, या कोई संवेदनशील इलाके में ठहरा हुआ है तो उनकी गतिविधियों को संबंधित पुलिस टीम के माध्यम से अपडेट कराया जा सकेगा। टीम को निर्देशित करके आगे बढ़वाएंगे। इन सभी गतिविधियों के लिए सत्यव्रत चौकी पर कंट्रोल रूप स्थापित है। वहीं से निगरानी की तैयारी की गई है। एएसपी ने बताया कि इस बार कंट्रोल रूम की संख्या भी बढ़ाई गई है। जिले में 11 कंट्रोल रूम बने हैं। इन पर 24 घंटे पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहेगी। आईपीएस आलोक कुमार भाटी की तैनाती तो संभल में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर हुई है लेकिन उनको संभल सर्किल में सीओ की जिम्मेदारी एसपी ने दी हुई है। एएसपी ने बताया कि आलोक कुमार भाटी ने इस सुरक्षा चक्र को तकनीक के इस्तेमाल से मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस तकनीक से किसी तरह की लापरवाही नहीं हो सकेगी और कोई माहौल नहीं खराब कर सकेगा।

संभल अतिसंवेदनशील शहर की श्रेणी में शामिल, कांवड़ियों की सुरक्षा जरूरी

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल शहर 24 नवंबर को हुए बवाल के बाद से अतिसंवेदनशील श्रेणी में शामिल है। इसको देखते हुए पुलिस के साथ आरआरएफ और पीएसी के जवान भी प्रमुख स्थानों पर तैनात किए गए हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा में किसी तरह की कमी न रहे। इसके लिए पहले से ही योजना तैयार कर ली गई थी। अब जत्थे रवाना हो रहे हैं। रविवार को यह जत्थे लौटना शुरू होंगे और सोमवार को जलाभिषेक होने तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम जिलेभर में रहेंगे। बताया कि जिलेभर में 12 हजार कैमरे लगे हैं। कांवड़ियों के गुजरने वाले सभी मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे दुरूस्त हैं और हर पल की निगरानी पुलिस द्वारा की जाएगी।

जिस जत्थे की लोकेशन जहां दिखाई देगी वहां के कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा सकेगी। सीओ ने बताया कि सभी जत्थों में जो जिम्मेदार लोग हैं उनकी मोबाइल की लाइव लोकेशन लेकर इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इससे जत्थों की सुरक्षा भी बढ़ गई है और पुलिस भी पल-पल की जानकारी ले सकेगी।

बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों का किया सम्मान

कुरावली के प्रमुख समाजसेवी ने किया अफसरों का सम्मान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। नगर के प्रमुख समाजसेवी भगवान बौद्ध के विचारों को मनाने वाले उनके बताएं मार्ग पर चलने वाले डॉ. सुम्मेर सिंह शाक्य के युवा पुत्र सतीश कुमार शाक्य ने कुरावली नगर में बेहतर काम करने वाले अफसरो का तथागत भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा भेंटकर फूल मालाओं से सम्मान किया है। बता दें कि सतीश कुमार शाक्य कुरावली में बेहतर काम करने वालों का सम्मान करते है। इसी क्रम में यह सम्मान भी था। शनिवार को कुरावली की पुरानी लहसुन मंडी स्थित द्विवेदी कॉम्पलेक्स स्थित बौद्ध ज्वैलर्स के संरक्षक डॉ. सुम्मेर सिंह शाक्य के नेतृत्व में ज्वैलर्स के स्वामी सतीश कुमार शाक्य ने कुरावली सीओ सच्चिदानंद सिंह का तथागत भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा भेंट करके फूल माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। उसके तत्पश्चात बाद उन्होने कुरावली कोतवाली इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान व क्राइम इंस्पेक्टर शिव कुमार दोहरे का स्वागत व सम्मान किया।

कुरावली में बेहतर काम करने पर सतीश कुमार करते है सम्मान

बता दें कि कुरावली के पुरानी लहसुन मंडी स्थित बौद्ध ज्वैलर्स के स्वामी सतीश कुमार शाक्य कुरावली नगर में बेहतर काम करने पर सम्मान करते है। इससे पहले वह चेयरमैन सहित अन्य का सम्मान कर चुके है।

सीओ कुरावली, इंस्पेक्टर के नेतृत्व में कानून व्यवस्था बेहतर

अगर बात की जाएं बेहतर काम करने की तो कुरावली सीओ सचिन्दानंद सिंह व कुरावली कोतवाली इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में कुरावली की कानून व्यवस्था बेहतर हुई है। उनकी व्यवस्था की बजह से कुरावली में अब कोई भी वारदात नहीं होती है। नगर में कानून व्यवस्था का राज स्थापित हो गया है।

मोबाइल शॉप से 18 लाख की सेंधमारी शटर तोड़ 70 फोन चुरा ले गए बदमाश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर में एक बार फिर बेखौफ चोरों ने पुलिस व्यवस्था को चुनौती देते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। थाना जगदीशपुरा क्षेत्र में स्थित एक मोबाइल शॉप से चोर करीब 18 लाख रुपये मूल्य के 70 मोबाइल फोन चुराकर फरार हो गए। वारदात देर रात करीब दो बजे की बताई जा रही है, जब दो चोर दुकान का शटर तोड़कर भीतर घुसे और अंदर रखे महंगे स्मार्टफोन समेट ले गए। सुबह जब दुकानदार अपनी दुकान पर पहुंचा तो उसने शटर का ताला टूटा हुआ पाया। अंदर जाकर जांच की तो पता चला कि सभी मोबाइल फोन चोरी हो चुके हैं। तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी सिटी भी पहुंच गए और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच शुरू की है, जिसमें दो चोरों की स्पष्ट तस्वीरें कैद हुई हैं। डीसीपी सिटी के अनुसार, दोनों चोरों ने सब्बल की सहायता से शटर तोड़ा और चोरी को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस की टीमें सक्रिय रूप से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं और संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। इस वारदात ने न सिर्फ व्यापारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ा दी है, बल्कि क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अनारा देवी शहीद संस्थान लखनऊ के नेतृत्व में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ग्राम मझोला गमां देवी मंदिर पर ओज कवि मुकेशानंद ट्रीमेन अनारा देवी शहीद संस्थान लखनऊ के नेतृत्व में भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी कृपाल सिंह यादव बीएसएफ सूबेदार, हरिनाथ सिंह यादव अध्यापक, लोकपाल सिंह सिकरवार, अधिवक्ता जितेन्द्र सिंह, अध्यापक उमेश मिश्रा ,शशांक सिंह, बाबू सिंह सिकरवार, सुनीता सिंह, सूरज सिंह, विपिन सिंह, सुनील सिंह चैहान इत्यादि ग्राम वासियों ने एक पेड़ मां के नाम से रोपित कर बर्ष 2025 में 37 करोड़ वृक्षारोपण यज्ञ अभियान का हिस्सा बने। ओज कवि मुकेशानंद ट्रीमेन ने बताया कि ग्राम मझोला हमारा पैतृक गांव है और इस गांव में सबसे अधिक उम्रदार व्यक्ति बाबू सिंह सिकरवार जिनकी 95 वर्ष उम्र है के कर कमलों से बरगद के उस पौधे का वृक्षारोपण कराया गया है जिसे कुंभ मेला प्रयागराज में संगम तट पर स्नान कराया गया था ये चार पौधे बरगद के प्रयागराज इलाहाबाद कुंभ मेला नासिक कुंभ मेला उज्जैन कुंभ मेला हरिद्वार के नाम से रोपित किए गए हैं यह चार बरगद के वृक्ष कुंभ स्नान करने के बाद आज 12 जुलाई 2025 को रोपित करने का अवसर मिला है तीन बरगद गामदेवी मझोला और चैथा वरगद का वृक्ष गांव फतेहपुर में अनारा देवी के नाम से लगाया गया इसके अतिरिक्त नीम हरि श्रंगार के भी वृक्ष रोपित किए गए हैं एक बरगद का पौधा हजारों साल उम्र होती है लगाने वाला इंसान रहे या ना रहे उसकी निशानी हजारों साल होती है। वह लोग मरने के बाद भी जिंदा रहते हैं जो लोग वृक्षारोपण करते हैं। वृक्षारोपण जिस दिन बंद हो जाएगा धरती का कण-कण आग का गोला बन जाएगा सभी गांव वालों से हाथ जोड़कर निवेदन किया धरती माता को आग का गोला नहीं बनने देना है वृक्ष है तों आक्सीजन है वृक्ष है तो जीवन है वृक्ष सभी को लगाना है अपनी मां के नाम से अपने पिता के नाम से पूर्वजों के नामसे। सभी मझोला ग्राम वासियों ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं पालन पोषण करने का संकल्प लिया।

दोस्त से शादी करने को उसके घर पहुंचा युवक

दोस्त के घर पर हुआ हंगामा, पुलिस ने मामला किया शांति

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र में शनिवार को एक अजीबो-गरीब मामला देखने को मिला। एक युवक अपने दोस्त के प्यार में इस कदर डूब गया कि उससे शादी करने उसके घर पहुंच गया। वहां जमकर हंगामा हुआ। मामला पुलिस तक जा पहुंचा और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत किया गया।

कोतवाली सदर क्षेत्र के मोहल्ला नगला कीरत कॉलोनी का यह मामला है। यहां का रहने वाला एक युवक विभिन्न कार्यक्रमों में लड़कियों के कपड़े पहनकर नाचने का काम करता है। घर के पास ही रहने वाला उसका दोस्त भी उसके साथ यह काम करता है। दोनों में मोहब्बत हो गई। दोनों ने जिंदगी साथ बिताने की ठान ली। युवक के परिवार वालों को जानकारी हुई तो उन्होंने बेटे की शादी की बात दूसरी जगह तय कर दी। यह बात पता लगने पर उसका दोस्त युवक के घर पहुंच गया। वहां हंगामा कर दिया। युवक की मां ने इसका विरोध किया। उन्होंने पुलिस बुला ली। सिविल लाइन पुलिस चौकी पर दोनों पक्ष पहुंचे। पुलिस ने दोनों युवकों को समझाने की बहुत कोशिश की। पुलिस के समझाने पर दोस्त रोने लगा। सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाया और मामला शांत कराकर उन्हें घर वापस भेज दिया है। घटना के संबंध में किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

यूपी में कांवड़ यात्रा: जल, थल और नभ से हो रही है पल-पल की निगरानी, एंट्री ड्रोन भी किए गए एक्टिव

लखनऊ

सुरक्षित कांवड़ यात्रा संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर पैनी नजर रखी जा रही है। जल, थल और नभ तीनों स्तरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। जल पुलिस, एटीएस, आरएएफ और क्यूआरटी के जवानों की तैनाती की गयी है। इसके साथ ही कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए हाईटेक टीथर्ड ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, पुलिस मुख्यालय में मॉर्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग की व्यवस्था की गई है।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुगम और सुरक्षित कांवड़ यात्रा संपन्न कराने को लेकर खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से रोज अपडेट भी ले रहे हैं। इसे देखते हुए कांवड़ यात्रा के सभी मार्गों पर हाईटेक निगरानी की व्यवस्था की

गई है। मुख्य कांवड़ मार्गों और प्रमुख स्थानों पर 29,454 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही 395 हाइटेक ड्रोन और विशेष रूप से एंटी ड्रोन के साथ टीथर्ड ड्रोन की मदद से रियल-टाइम वीडियो फीड लेकर डीजीपी मुख्यालय से सीधे मॉनीटरिंग की जा रही है। वहीं, महाकुंभ की तर्ज पर डीजीपी मुख्यालय में मॉर्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां से 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग की जा रही है। इसके अलावा एक विशेष आठ सदस्यीय टीम 24 घंटे सोशल मीडिया पर चलने वाली अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं और संवेदनशील पोस्ट की भी मॉनीटरिंग कर रही है तथा संबंधित जिलों को अलर्ट भेजा जा रहा है। इसी प्रकार एक अलग टीम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, यूपी-112 और अन्य माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं की निगरानी कर रही है।

दूसरे राज्यों से भी समन्वय

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कांवड़ यात्रा से जुड़े सभी दिशा-निर्देश, पुलिस अधिकारियों के मोबाइल नंबर, ट्रैफिक डायवर्जन योजना आदि को बारकोड के माध्यम से होर्डिंग, अखबार और सोशल मीडिया पर साझा किया गया है। इसके अलावा अंतरराज्यीय समन्वय के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसके जरिए रियल-टाइम सूचना आदान-प्रदान, मार्गों की स्थिति, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण से जुड़ी जानकारियां साझा की जा रही है।

आईफोन16 के लिए 10 लाख की चेन लूटी: आगरा में 10वीं और 11वीं के छात्र निकले चेन स्नैचर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आलू व्यापारी की गर्दन से 10 लाख की सोने की चेन झपटकर भागने वाले बदमाश कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि 10वीं और 11वीं में पढ़ने वाले दो स्कूली छात्र निकले। दोनों आपस में दोस्त हैं और उनके निशाने पर वह भारी-भरकम चेन थी, जिसे देखकर उनके मन में महंगे मोबाइल खरीदने की लालसा जागी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों ने चेन को 2.70 लाख रुपये में बेच डाला और उसी रकम से ढँड्डल्ली 16 खरीदने निकल पड़े, लेकिन पुलिस की सतर्कता ने उन्हें वक्त रहते दबोच लिया।

घटना शुक्रवार सुबह की है। आगरा के एकता चौकी क्षेत्र स्थित विश्वकमार्पुरम कॉलोनी निवासी महेंद्र सिंह, जो कि आलू व्यापारी हैं, रोज की तरह सुबह 7 बजे जोनल पार्क में टहलने निकले थे। वह पार्क के मुख्य मार्ग पर वॉक कर रहे थे कि अचानक एक बाइक पर सवार दो युवक तेजी से आए और उनके गले से झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ ले गए। वारदात इतनी जल्दी हुई कि व्यापारी कुछ समझ ही नहीं पाए। वह जब तक शोर मचाते, बाइक सवार तेजी से मौके से फरार हो गए। आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पार्क और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिनमें बाइक और आरोपियों की तस्वीरें साफ नजर आ गईं।सीसीटीवी फुटेज और बाइक नंबर के आधार पर पुलिस ने जांच तेज की और करीब 10 घंटे के अंदर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी किशोर हैं और स्कूल में पढ़ते हैं। एक कक्षा 10वीं में और दूसरा 11वीं में पढ़ता है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले वे पार्क में घूमने आए थे, तभी उनकी नजर व्यापारी की चेन पर पड़ी। उसी दिन उन्होंने तय कर लिया था कि इस चेन को लूटकर बेच देंगे और महंगा मोबाइल खरीदेंगे। उन्होंने व्यापारी की दिनचर्या पर नजर रखनी शुरू की और सही वक्त पर हमला कर वारदात को अंजाम दे डाला।

पशु चिकित्सालय में खुलेआम लूट: मुफ्त रेबीज इंजेक्शन के लिए वसूले 200 रुपये

अधिवक्ता ने उठाई जांच की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। बरसात के मौसम में रेबीज संक्रमण की आशंका को देखते हुए तान्या एन्क्लेव, चमरौली, शमशाबाद रोड निवासी अधिवक्ता सुनील वशिष्ठ अपने पालतू कुत्ते को रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए मंटोला स्थित पशु चिकित्सालय ले गए। लेकिन यहां उनसे रेबीज इंजेक्शन के बदले 200 रुपये की मांग की गई और जब उन्होंने आपत्ति जताई तो स्पष्ट शब्दों में जवाब मिला कि "यहीं रेट है, देना होगा।" जबकि यह सर्वविदित है कि सरकारी पशु चिकित्सालयों में रेबीज के इंजेक्शन निशुल्क लगाए जाते हैं।

यहां तक कि बाजार में भी यह वैक्सीन अधिकतम 150 रुपये में उपलब्ध है। बावजूद इसके, एक सरकारी केंद्र पर मनमानी कीमत वसूली जाना न सिर्फ भ्रष्टाचार को उजागर करता है, बल्कि आम जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। सुनील वशिष्ठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच की मांग की है और कहा है कि सरकारी चिकित्सालय में इस तरह की वसूली आम जनता के साथ खुली लूट के समान है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि मंटोला स्थित पशु चिकित्सालय की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अब देखना यह होगा कि इस प्रकरण पर विभागीय अधिकारियों की नजर कब पड़ती है और क्या कोई ठोस कार्रवाई की जाती है या फिर यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

नस्लों पर ध्यान न देने से कसाईखाने जाते थे पशु अवैध धर्मांतरण गहरी साजिश; न छोड़ें धर्म: सीएम योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसान की समृद्धि के बिना खुशहाली नहीं आ सकती। किसानों की समृद्धि में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत में कृषि व पशुधन एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। अन्नदाता किसान के घर में पशुधन होगा और पशुपालक भी खेतीबाड़ी से अवश्य जुड़ा होगा। इनके संबंध को ध्यान में रखते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में किसानों की खुशहाली व समृद्धि के लिए उठाए गए कदम काफी महत्वपूर्ण व सराहनीय हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भारत में पशु नस्लों का विकास कार्यशाला का शुभारंभ किया। साथ ही गोरखपुर के कृत्रिम गभार्धान

प्रशिक्षण संस्थान तथा पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के तहत यूपी में तीन प्रोजेक्ट (अमेठी, बरेली व मथुरा) का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा से यूपी में भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए गए हैं। डबल इंजन सरकार की ऊर्जा का लाभ यूपी ने लिया है। इससे यूपी आज दुग्ध उत्पादन में देश में नंबर एक पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में हम लोगों के सामने बहुत चुनौती थी। समय के अनुरूप पशुधन की नस्लों में सुधार नहीं हुए। इसके परिणाम स्वरूप बड़े पैमाने पर पशुधन सड़क, खेतों, कसाईखानों में जाते थे। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से आस्था से खिलवाड़, किसानों के खेत में परेशानी और सड़क पर दुर्घटनाएं भी होती थीं। 2017 में निराश्रित गोआश्रय स्थल की कार्ययोजना बनाई और 2018 में उसे लागू किया। आज 14 लाख से अधिक गोवंशों की देखभाल सरकार की गोशालाओं या सरकार द्वारा सहायता प्राप्त पशुपालकों द्वारा की जा रही है।

सीएम ने आश्वस्त किया कि पशुधन को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) मुक्त बनाकर पशुपालकों के जीवन में खुशहाली लाने में योगदान देंगे। इस अवसर पर किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला में केन्द्रीय पंचायतीराज तथा मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के पशुपालन मंत्री गेब्रियल डी वांगसु, प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, गोसेवा आयोग के अध्क्ष श्याम बिहारी गुप्ता आदि उपस्थित थे।

अवैध धर्मांतरण गहरी साजिश, होगी कठोर कार्रवाई : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अवैध धर्मांतरण देश और समाज के खिलाफ गहरी साजिश है, इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा, प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर श्री गुरु तेग बहादुर महाराज के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा के शुभारंभ अवसर पर कहीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ ताकतें योजनाबद्ध तरीके से देश के स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रही हैं। यह समाज को तोड़ने और धार्मिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। अनुसूचित जाति के लोगों को लालच और भय के माध्यम से धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो संविधान और सामाजिक समरसता के खिलाफ है।

समाधान दिवस पर थाना जगदीशपुरा पहुंचे डीसीपी नगर, की जन-सुनवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को डीसीपी नगर डॉ. अर्जुन सिंह ने थाना जगदीशपुरा पहुंचकर जनसुनवाई की और मौके पर मौजूद फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र से जुड़ी जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। डीसीपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि थाने में आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए।

कोई भी व्यक्ति पुलिस थाने में उपेक्षा का शिकार न हो। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि शिकायतकर्ता को थाने में बैठने के लिए समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए और किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए। हर समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो और इसमें अनावश्यक विलंब न किया जाए।

डॉ. अर्जुन सिंह ने लंबित विवेचनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की और कहा कि विवेचनाओं के निस्तारण में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड और IGRS प्रणाली पर अपलोड की जा रही शिकायतों की निगरानी पर भी विशेष बल दिया और कहा कि यह सरकार की प्राथमिकता वाले प्लेटफॉर्म हैं, इन पर दर्ज शिकायतों का निस्तारण गंभीरता से किया जाए। डीसीपी ने थाना परिसर का आकस्मिक निरीक्षण भी किया, जिसमें महिला हेल्प डेस्क, हवालात, मालखाना, CCTNS प्रणाली और अभिलेखों की गहन जांच की गई।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताजा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

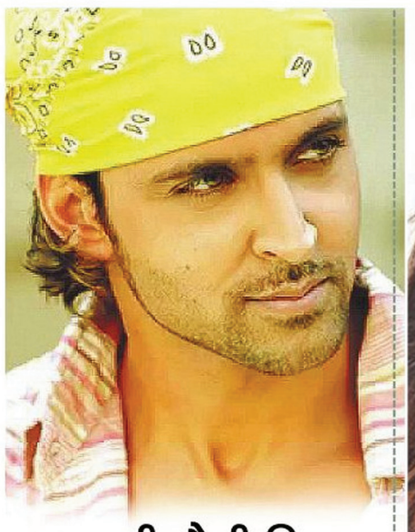

कृष की चौथी किस्त में ऋतिक की तिहरी भूमिका, रेखा और प्रीति जिंटा भी होंगी हिस्सा

ऋतिक रोशन की मशहूर सुपरहीरो सीरीज कृष एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। कृष 4 अब तक की सबसे बड़ी, सबसे रोमांचक और भावनात्मक कहानी लेकर आ रही है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के बाद दो और बड़े नाम जुड़ने की जानकारी सामने आई है।

शानदार कलाकारों की वापसी

एक खबर के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा अपनी पुरानी भूमिका में लौट रही हैं, जिसे लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। साथ ही, रेखा और प्रीति जिंटा भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। रेखा, जो कोई मिल गया और कृष में ऋतिक की मां की भूमिका निभा चुकी हैं, कहानी को जोड़े रखेंगी, जबकि प्रीति जिंटा की वापसी नए रंग लाएंगी। इस बार ऋतिक रोशन तीन अलग-अलग किरदार निभाएंगे। जो अतीत, वर्तमान और भविष्य से जुड़े होंगे। कहानी एक बड़े वैश्विक खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें कृष को अलग-अलग रूप लेने होंगे। कृष 4 में शानदार विजुअल इफेक्ट्स और जबरदस्त एक्शन होगा। साथ ही, यह फिल्म परिवार, प्यार और बलिदान की भावनाओं को भी छूएगी। वाईआरएफ स्टूडियो में प्री-विजुअलाइजेशन का काम शुरू हो चुका है, और यह फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर के वीएफएक्स से टक्कर लेगी। खास बात यह है कि ऋतिक रोशन पहली बार निर्देशन भी कर रहे हैं और स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने के लिए आदित्य चोपड़ा की टीम के साथ काम कर रहे हैं।

क्या होगा खास?

प्री-प्रोडक्शन में चल रही कृष 4 सिर्फ एक सुपरहीरो फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। बेहतरीन कलाकार, नई कहानी और शानदार दृश्यों के साथ यह फिल्म भारतीय फंतासी और विज्ञान कथा सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

रवि किशन की बेटी रीवा इन शर्तों पर कर सकती हैं भोजपुरी फिल्में

भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था।

ग्लैमर के मामले में सारे स्टार किड्स को टक्कर देती हैं रवि किशन की बेटी रीवा रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो हॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव हैं। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 में सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखीं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रीवा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में एंट्री का प्लान उनका हमेशा से था। उन्होंने कहा था, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले दुनिया भर में ट्रैवल और एक्टिंग वर्कशॉप करना चाहती हूं। उन्होंने कहा था, मुझे अपने पिता की वजह से अधिक से अधिक तीन फ़िल्में मिलेंगी, लेकिन उसके बाद मुझमें कौन इन्वेस्ट करेगा? ये मेरा टैलेंट होगा जो मुझे यहां बरकरार रहने में मदद करेगा। रीवा ने बताया था कि पापा रवि किशन ने जब उनकी फिल्म का ट्रेलर देखा था तो उन्हें लगा था कि उनके अपने ही घर में ये बच्चा स्टार है। वहीं रीवा ने भोजपुरी फिल्मों में भी काम करने को लेकर बातें की थीं।

अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले

भोजपुरी फिल्मों में काम को लेकर रीवा ने कहा था कि अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो वो इस इंडस्ट्री में जरूर काम करेंगी। इसके अलावा भोजपुरी फिल्मों में काम करने की दूसरी शर्त ये रखी कि वो फिल्म डैड (रवि किशन) प्रड्यूस करें, क्योंकि उन्हें यकीन है कि पापा कुछ अमेजिंग लेकर आ सकते हैं।

सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' की रिलीज डेट बदली, जानें कब दे रही दस्तक?

हाल ही में अभिनेता केके मेनन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जानकारी दे रहे हैं कि तय तारीख पर सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का प्रीमियर नहीं होगा। अब इसकी रिलीज की तारीख बदल चुकी है। क्या है नई तारीख? और ये फैसला क्यों लिया गया है? इस बारे में भी केके मेनन ने जानकारी साझा की। केके मेनन इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में कहते हैं, 'अब 'स्पेशल ऑप्स 2' 11 जुलाई की बजाय 18 जुलाई को रिलीज होगा। कुछ चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होती है, इसलिए हमें यह फैसला लेना पड़ा है। मगर दर्शकों को एक साथ ही सभी एपिसोड देखने को मिलेंगे।' यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी स्पेशल एजेंट हिम्मत सिंह अपनी टीम के साथ आतंकवादियों का मुकाबला करेगा। इस बार इंटरनेशनल लेवल का मिशन हिम्मत सिंह हैंडल करेगा। नीरज पांडे निर्देशित इस सीरीज में इस बार साउथ के पॉपुलर एक्टर प्रकाश राज भी नजर आएंगे। प्रकाश राज, केके मेनन के अलावा इस सीरीज में करण टैकर, फारुक अली भी नजर आएंगे। ये भी सीरीज में स्पेशल एजेंट्स के रोल में नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। सीरीज का दूसरा पार्ट लगभग पांच साल के बाद वापस आया है।

सानंद ने साझा किया विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव

भाबीजी घर पर हैं फेम अभिनेता सानंद वर्मा की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में बताया कि इसे रचने में हेमा मालिनी के 'शोले' के किरदार बसंती से प्रेरणा मिली। इस फिल्म में सानंद का किरदार एक मजेदार और बातूनी ड्राइवर का है। सानंद ने अपने किरदार के बारे में बताया, अपकमिंग फिल्म में मेरे किरदार का नाम शौकी लाल है, जिसका नाम भी काफी मजेदार है। वह एक हंसमुख और बातूनी ड्राइवर है, जो बिल्कुल रुकता नहीं और लगातार बात करता है। यह किरदार 'शोले' की बसंती की याद दिलाता है, जो गाड़ी चलाते हुए लगातार बोलती थी, खूब बात करती थी। उन्होंने बताया कि शौकी लाल फिल्म की कहानी में कॉमेडी के साथ एनर्जी भी लाता है, फिल्म का एक खास हिस्सा है। सानंद ने शुरू में सोचा था कि उनका किरदार गुटखा चबाता हो, लेकिन सेट पर डायरेक्टर संतोष सिंह के सुझाव पर इसे हटा दिया गया। सानंद ने बताया, मेरा किरदार स्वाभाविक है, इसलिए ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी। मैंने अपनी जिंदगी में कई बातूनी ड्राइवर देखे हैं और 'शोले' को 15 बार देखने के बाद बसंती मेरे लिए एक रेफरेंस बन गई। फिल्म के ड्राइविंग सीन्स उत्तराखंड की पहाड़ियों में खतरनाक मोड़ों पर शूट किए गए हैं। सानंद ने बताया, मैं 22 साल से गाड़ी चला रहा हूं, इसलिए यह मेरे लिए आसान और मजेदार था। सानंद ने को-एक्टर विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया, विक्रांत बहुत ही पेशेवर और गंभीर अभिनेता हैं। उनके साथ काम करना शानदार रहा। शनाया ने अपनी डेब्यू फिल्म में कमाल किया। एक इमोशनल सीन में वह कट के बाद भी रोती रहीं, जो उनकी मेहनत और समर्पण को दिखाता है। वह विनम्र हैं और उनमें स्टार किड वाला कोई रवैया भी नहीं है। 'आंखों की गुस्ताखियां' रस्किन बॉन्ड की कहानी 'द आइज हैव इट' से प्रेरित है। फिल्म में शनाया एक थिएटर आर्टिस्ट और विक्रांत एक ब्लाइंड म्यूजिशियन की भूमिका में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

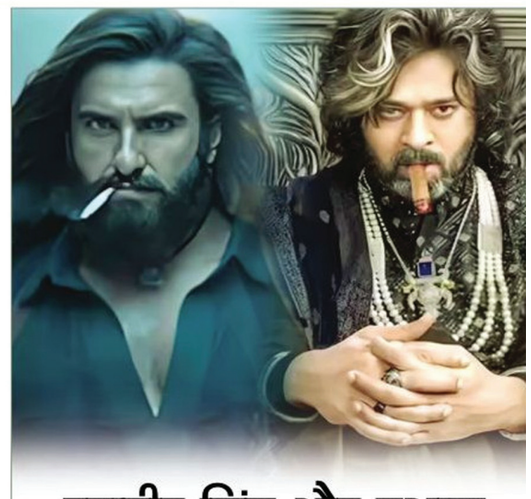

रणवीर सिंह और प्रभास के बीच होगी बॉक्स ऑफिस पर भिड़ंत, शाहिद कपूर भी होंगे मैदान में

इस साल का दिसंबर फिल्मप्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है। कारण है एक नहीं, दो नहीं बल्कि बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों का सीधा टकराव। रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर और प्रभास की द राजा साब अब 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यही नहीं, इन दोनों फिल्मों के साथ विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी उसी दिन रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर महाभारत होना तय माना जा रहा है।

रणवीर और प्रभास की होगी भिड़ंत

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो रणवीर सिंह और प्रभास की टक्कर देखने को मिलेगी। रणवीर सिंह के जन्मदिन यानी 6 जुलाई को जहां धुरंधर का टीजर रिलीज किया जाएगा, वहीं ये भी कन्फर्म कर दिया गया है कि फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर कर रहे हैं, जो इससे पहले उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ब्लॉकबस्टर बना चुके हैं। फिल्म को लेकर बताया जा रहा है कि ये भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के शुरुआती दिनों और एक गुप्त ऑपरेशन से प्रेरित है, जिसमें पाकिस्तान में अबू कताल नाम के आतंकवादी की रहस्यमयी हत्या को दर्शाया जाएगा।

द राजा साब की रिलीज डेट भी 5 दिसंबर

वहीं दूसरी ओर, प्रभास की द राजा साब एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उन्हें एक अलग अंदाज में देखने को मिलेगा। फिल्म को बड़े पैमाने पर कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्मों में संजय दत्त भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म भी आएगी

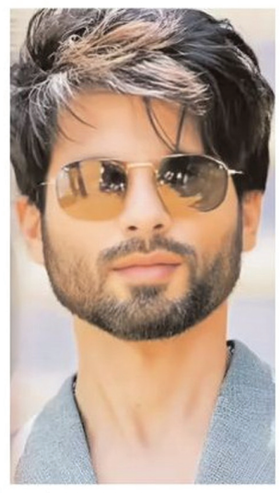

तीसरी फिल्म जो इस दिन रिलीज के लिए तैयार हो रही है, वो है विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म, जिसमें शाहिद कपूर, त्रिप्ती डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आएंगे। इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। रणवीर की धुरंधर जहां थ्रिल, देशभक्ति और इंटेलिजेंस ऑपरेशन्स से भरपूर है, वहीं द राजा साब में हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मेल दिखेगा। तीनों ही फिल्में अपने-अपने जनर में जबरदस्त दावेदार हैं, जिससे यह दिन बॉक्स ऑफिस इतिहास में खास दर्ज होने वाला है।

दर्शकों के लिए ये उत्साह से कम नहीं

बॉलीवुड के जानकारों का मानना है कि इस टकराव से सभी फिल्मों को एक-दूसरे की कमाई पर असर झेलना पड़ सकता है। लेकिन वहीं दर्शकों के लिए ये मौका किसी उत्सव से कम नहीं होगा—एक दिन में तीन जबरदस्त फिल्मों का रोमांच। अब देखना दिलचस्प होगा कि रणवीर, प्रभास और शाहिद में से किसकी फिल्म जीतती है दर्शकों का दिल और बॉक्स ऑफिस की जंग।

मैं आज भी आमिर खान सर के टच में हूं

फिल्म तारे जमीन पर में डिस्लेक्सिया बीमारी से पीड़ित बच्चे ईशान नंदकिशोर अवस्थी का रोल निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले दर्शील सफारी अब बड़े हो गए हैं और अपनी नई वेब सीरीज गेमरलोग को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दर्शील ने अपने करियर, पढ़ाई और आमिर खान के बारे में ढेर सारी बातें कीं।

दर्शील, आपकी पहली फिल्म तारे ज़मीन पर अब से 18 साल पहले साल 2007 में आई थी। आप अपनी पहली फिल्म से लेकर इस फिल्म तक के सफर के बारे में बताइए।

मेरा पूरा सफर किसी रोलर-कोस्टर से कम नहीं है। मेरा यह सोचना था कि मैं सबसे अनुभवी निर्देशकों के साथ काम कर पाऊं। मुझे शुरू से ही एक झिझक सी होती थी कि मैं एक ट्रेन्ड ऐक्टर नहीं हूं जिसने ऐक्टिंग सीखी हो। तो मुझसे जो भी डायरेक्टर कहते थे, मैं कर लेता था। लेकिन जो चीज़ें ऐक्टिंग को बनाती हैं, चाहे भीतर के इमोशन्स हों या इम्प्रोवाइजेशन, वह नहीं आ पा रही थी। और चूंकि मैंने कई दिग्गजों जैसे आमिर खान, अतुल कुलकर्णी, रॉनित रॉय जैसों के साथ काम कर लिया था, तो मैं सोचता था कि मैं वहां तक कैसे पहुंचूंगा। फिर मैंने अपने बोर्ड एग्जाम खत्म होने के बाद ब्रेक लिया और थिएटर जॉइन किया। यह सिलसिला कोविड महामारी तक चला और मैंने लगभग हर राज्य में परफॉर्म किया। इस चीज ने मुझे बदल दिया और सिखाया कि एक ऐक्टर क्या होता है। लेकिन कोविड में सबकुछ अचानक थम सा गया। इस दौरान मुझे लगा कि अब वेब सीरीज से बड़े पर्दे पर वापसी की जा सकती है। मैंने फिर ऑडिशन दिया गेमरलोग के लिए और मुझे चुन लिया गया। मैं मानता हूं कि अगर आप किसी चीज के लिए तैयार हैं, तभी वह आपके पास आती है।

एक ऐसा बैट्समैन जो पहली ही बॉल पर सिक्स मार दे, (दर्शील की डेब्यू फिल्म तारे जमीन पर सुपरहिट रही थी), उसके लिए बाकी चीजों को चेज करना कितना मुश्किल होता है?

उसके लिए आइडिया यही है कि आपको आउट नहीं होना है। अगर आउट होते हो तो आगे की इनिंग्स का भी देखना है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि गेंद ही आपकी रेंज में आ जाती है। अब जब मैंने नेट पर खूब प्रैक्टिस की है, तो फिर से यह मौका आया है। तब फिल्म के बाद आमिर खान के टच में थे? बिल्कुल, मैं तो अभी तक आमिर खान सर के टच में हूं। बीच में थिएटर के समय थोड़ा सा गैप आ गया था। अभी गेमरलोग के लिए मैंने उन्हें अप्रोच किया तो उन्होंने मुझे घर बुलाया। हमने उनको भी गेमरलोग का ट्रेलर दिखाया और उनको काफी पसंद आया। इससे हमें भी प्रोत्साहन मिला।

आपको फिल्म तारे ज़मीन पर से पहचान मिली थी। क्या इसे संयोग ही कहा जाए कि इस समय आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर भी सिनेमाघरों में है और आपकी गेमरलोग भी रिलीज हुई है।

बिल्कुल, ये कुदरत का कोई करिश्मा या ऊपर से लिखी हुई कोई कहानी लगती है। क्योंकि ऐसा कुछ प्लान नहीं था। हमारे इस शो की मेहनत बहुत सालों से चल रही है और फिर इसी टाइम पर पता नहीं कैसे रिलीज़ हो गई। एक बात अच्छी है कि दोनों प्रोजेक्ट्स को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और मेहनत रंग लाई। मैं एक चीज़ हमेशा मानता हूं कि ऑडियंस सबसे महत्वपूर्ण है और कॉन्टेंट ही किंग है। और आज के समय में हमारी ऑडियंस बहुत स्मार्ट हो चुकी है। तो यह जो हमारा शो है गेमरलोग, यह एक गेमिंग के लेंस के द्वारा जिंदगी की कहानी बताती है। इसमें गेमरलोग एक टीम है जो एक ई-स्पोर्ट्स कॉम्पिटीशन जीतना चाहती है।

आप गेमरलोग में काम कर रहे हैं। क्या आपने पहले कभी गेमिंग की है? और कैसा लगा इस सीरीज में काम करके?

हम सभी ने बहुत मेहनत, लगन, प्यार और पैशन से यह प्रोजेक्ट बनाया है। सभी लोग गेमिंग से कहीं न कहीं जुड़े हुए हैं। नीता मैम (लेखक-प्रड्यूसर) उतना प्रफेशनली नहीं खेलतीं, लेकिन फिर भी उनका बहुत सपोर्ट रहा। फिर लोगों का इतना प्यार आना और पहले ही चार दिन में हम टॉप 5 में आ गए थे, तो वह भी एक बहुत हॉर्ट वॉर्मिंग फीलिंग है। मैं बस यही आशा करता हूं कि ऑडियंस जो हमें रिस्पॉन्स दे रही है, वह देती रहे। ताकि हम भी ऐसा काम करते रहें। इससे हमें भी बहुत प्रोत्साहन मिलता है।

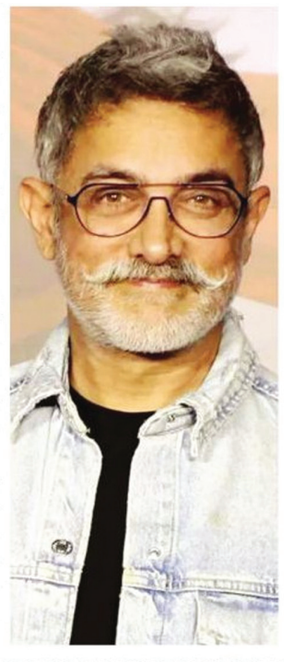

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।